JEEViKA
An Initiative of Government of Bihar for Poverty Alleviation
Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
State Rural Livelihoods Mission, Bihar
बिहार सरकार
1st Floor, Vidyut Bhawan - II, Bailey Road, Patna- 800 021; Ph.:+91-612-250 4980; Fax:+91-612-250 4960, Website:www.brlp.in

Res.No:BRLPS/Estt.HR/1645/19/522 Date:08.05.2023

कार्यालय आदेश

जिला परियोजना प्रबंधक – पुर्णियां के मेल दिनांक – 09.10.2020 के अनुसार गोट इंटरवेंशन पूर्णियां के दो प्रखंडो में शुरू की जानी थी। राज्य कार्यालय आदेश संख्या – . BRLPS/ Project/463/13/1042 दिनांक – 31.05.2017 के अनुसार गोट इंटरवेंशन को कियान्वित किया जाना था जिसके तहत पी0जी0 सदस्यों द्वारा एक विशेष नस्ल की बकरियों की खरीददारी की जानी थी। खरीदी गई बकरियों के सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक – डुमरिया, गया ने पूर्णियां के डगरूआ प्रखंड में अपने कार्यकाल के दौरान गोट इंटरवेन्शन की प्रकिया का पूर्ण उल्लंधन करते हुए सभी 16 प्रोडयूसर ग्रुप में बकरियों की आपूर्ति एक लोकल वेन्डर के द्वारा करवाया तथा उसे अनैतिक वित्तीय लाभ पहुंचाया। **(अनुलग्नक – 1)**

उपरोक्त प्राथमिक रिपोर्ट के आधार पर, श्री सुमित कुमार, तत्कालीन प्रखंड परियोजना प्रबंधक – डगरूआ, पूर्णियां को राज्य कार्यालय से एक कारण बताओ नोटिस (पत्रांक – BRLPS/Estt-HR/1645/19/Vol-III/2063) दिनांक – 13.10.2020 प्रेषित किया गया । श्री सुमित कुमार ने कारण बताओ नोटिस के अपने जवाब दिनांक – 15.10.2020 के द्वारा यह बताया कि बकरियों की खरीददारी प्रॉक्योरमेंट नियमों के अनुसार ही की गई है तथा उन्होंने किसी भी तरह से नियम का उल्लंघन नहीं किया है। **(अनुलग्नक – 2 A एवं 2 B)**

इस संबंध में दिनांक – 03.10.2020 को एक जिला स्तरीय जॉच समिति का गठन किया गया। जॉचोपरांत समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची कि श्री सुमित कुमार, तत्कालीन प्रखंड परियोजना प्रबंधक – डगरूआ, पूर्णियां, एम0बी0के0 अरूण मिश्रा, वी0आर0पी0 दिलीप कुमार पी0जी0 सदस्यों को बकरी आपूर्ति की अवैध प्रकिया में शामिल हैं। **(अनुलग्नक – 3)**

उपरोक्त जिला स्तरीय रिपोर्ट के अनुसार, श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक – डगरूआ, पूर्णियां को द्वितीय कारण बताओ नोटिस (पत्रांक – BRLPS/Estt-HR/1645/19/3183) दिनांक – 28.01.2021 जारी किया गया। कारण बताओ नोटिस के आलोक में श्री सुमित कुमार ने अपने जवाब में यह लिखा कि श्री राजेश कुमार, मैनेजर लाइवस्टॉक ने हीं सभी पी0जी0 में जा कर यह बताया कि **सभी दीदीयां एक जगह से खरीददारी कर सकती हैं, चेक से पेमेंट कर सकती हैं। नकद खरीददारी नहीं करेंगी और होलसेल में खरीददारी करेंगी। इसके लिए कोई कोटेशन की आवश्यकता नहीं होती है।** श्री सुमित कुमार ने यह भी बताया कि श्री राजेश कुमार, मैनेजर लाइवस्टॉक ने एक बार भी न तो किसी बकरी पी0जी0 में बीमार बकरियों का इलाज किया और न ही एक भी मृत बकरियों को पोस्टमार्टम नियमानुसार किया गया। इस प्रकार श्री सुमित कुमार ने इस पूरे प्रकरण का मुख्य आरोपी श्री राजेश कुमार को ठहराया। **(अनुलग्नक – 4 A एवं 4 B)**

तदोपरांत, श्री सुमित कुमार, तत्कालीन प्रखंड परियोजना प्रबंधक, डगरूआ पूर्णियॉ का स्थानांतरण गया जिले के डुमरिया प्रखंड में राज्य कार्यालय आदेश संख्या – BRLPS/Estt-HR/1645/19/Vol – III/3658 दिनांक – 26.02.2021 के द्वारा कर दिया गया। **(अनुलग्नक – 5)**

सक्षम प्राधिकार के आदेशानुसार, इस संबंध में श्री सुमित कुमार को एक कारण बताओ नोटिस दिनांक – 20.07.2021 को प्रेषित किया गया । इसके साथ ही उन्हें तत्काल प्रभाव से अवैतनिक अवकाश पर भेज दिया गया। इसके अलावा मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जीविका के समक्ष उनकी व्यक्तिगत सुनवाई दिनांक – 09.08.2021 को की गई । **(अनुलग्नक – 6)**

तदोपरांत इस मामले की गहन जॉच हेतु एक राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया। जॉचोपरांत समिति ने अपना प्रतिवेदन प्रेषित किया जिसके अनुसार श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक गोट इंटरवेन्शन के नियमों का पूर्ण रूपेन उल्लंघन कर बकरियों की आपूर्ति एक लोकल वेंडर द्वारा दीदीयों को करवाया जबकि नियमानुसार बकरियों की खरीददारी स्वयं दीदीयों को ही करनी थी। कार्यालय आदेश सं0 BRLPS/Project/463/13.Vol-II/4764 दिनांक .05.03.2018 के अनुसार **"सप्लायर के द्वारा अलग अलग क्षेत्रों से बकरियों को एकत्रित कर प्रोडयूसर ग्रुप को आपूर्ति कराए जाने के कारण पहले से हीं बकरियॉ रोगग्रस्त पाई जाती हैं जिसके कारण इनकी मृत्यू दर ज्यादा होती है। इसलिए यह निर्णय लिया जाता है कि प्रोडयूसर ग्रुप के सदस्यों को निर्दिष्ट बकरियों की खरीद के लिए सहयोग किया जाएगा और प्रति बकरी रूपये 4000/– लाभुक के बैंक खाते में हस्तांतरण किया जाएगा।"** परंतु इस मामले में श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक के प्रोत्साहन, मिलीभगत, सहभागिता एवं षडयंत्र के कारण 37 स्वयं सहायता समूहों से 39,35,000/– रूपये बैंक लिंकेज तथा सामान्य ऋण की राशि को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के माध्यम से निकलवा कर सीधे वेंडर श्री हीरालाल मंडल को बकरी आपूर्ति के लिए पहले ही दे दिया गया। इस प्रकार परियोजना के नियमों के विरूद्ध वेंडर को निजी लाभ पहुंचाया गया जिससे परियोजना एवं कम्यूनिटी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

राज्य स्तरीय प्रतिवेदन के अनुसार, इस कार्य के लिए श्री सुमित कुमार ने 37 स्वयं सहायता समूहों से बैंक लिंकेज की राशि तथा सामान्य ऋण की राशि बैंक मैनेजर एवं बैंक मित्रा के सहयोग से गलत तरीके से निकासी करवाई। अपने पद का दुरूपयोग करते हुए श्री सुमित कुमार ने सभी संबंधित सी0एम को स्वयं सहायता समूहों से राशि निकालने हेतु बाध्य किया तथा वेंडर हीरालाल मंडल को अनुचित आर्थिक लाभ पहुंचाया। **(अनुलग्नक – 7)**

उपरोक्त प्रतिवेदन के आधार पर श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक – डगरूआ पूर्णियां को राज्य स्तर से एक कारण बताओ नोटिस (पत्रांक – BRLPS/Estt-HR/1645/19/Vol – III/3317) दिनांक – 16.09.2022 प्रेषित किया गया। कारण बताओ नोटिस के आलोक में श्री सुमित कुमार ने जवाब में स्वयं पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए लिखा कि श्री राजेश कुमार, मैनेजर लाइवस्टॉक के द्वारा ही पी0जी0 के सभी सदस्यों, संबंधित सी0एम0 को पॉलीसी की विस्तृत जानकारी दी गई थी। श्री सुमित कुमार के अनुसार, दीदीयों को वेंडर से बकरी खरीदने के लिए बाध्य करने का आरोप लगाया जाना गलत है। सी0एम रजिया खातून के द्वारा भी उन पर लगाए गए सभी आरोप गलत तथा मनगढंत है। **(अनुलग्नक – 8 A एवं 8 B)**

सक्षम प्राधिकार के आदेशानुसार, श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक, डगरूआ, पूर्णियां को एक अवसर प्रदान करते हुए पुनः उनकी व्यक्तिगत सुनवाई दिनांक – 25.11.2022 को निदेशक, जीविका के समक्ष हुई जिसमें उन्होनें स्वयं पर लगे आरोपों से इन्कार किया। उनका कहना है कि बकरियों के खरीददारी स्वयं लाभुकों द्वारा की जाती है। श्री कुमार ने बताया कि वो वेंडर हीरालाल मंडल को नहीं जानते हैं। दिनांक – 20.07.2021 को जब उन्हें

स्पष्टीकरण पूछा गया तब उन्हें पैसों की अनियमितताओं की जानकारी हुई। इससे पूर्व इन्हें किसी अनियमितता की जानकारी नहीं थी। श्री सुमित कुमार ने जिला परियोजना प्रबंधक – पूर्णियां को इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी। श्री सुमित कुमार, बी0पीएम को 37 स्वयं सहायता समूहों से 46,57,000/– रूपये की वित्तीय अनियमितता की जानकारी नहीं थी।

उपरोक्त तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि श्री सुमित कुमार, तत्कालीन प्रखंड परियोजना प्रबंधक, डगरूआ, पूर्णियां ने अपने कार्यालीय दायित्वों का निर्वहन नहीं किया एवं पद का दुरूपयोग करते हुए व्यक्तिगत लाभ हेतु 16 पी0जी0 में बकरी की आपूर्ति एक लोकल वेंडर हीरालाल मंडल से कराई तथा 37 स्वयं सहायता समूहों से इस बाबत बैंक लिंकेज तथा सामान्य ऋण बैंक मैनेजर के सहयोग से अवैध तरीके से निकासी कराई गई। अपने बचाव में श्री सुमित कोई सटीक साक्ष्य प्रस्तुत करने में असफल रहे हैं। श्री सुमित कुमार ने अपनी व्यक्तिगत सुनवाई में यह कहा है कि वो हीरालाल मंडल वेंडर को नहीं जानते किंतु राज्य स्तरीय समिति के द्वारा प्रतिवेदन के साथ वेंडर एवं श्री सुमित कुमार दोनों के बीच की बातचीत से संबंधित प्रेषित ऑडियो इस तथ्य को प्रमाणित करता है कि श्री सुमित कुमार, बी0पी0एम तथा हीरालाल मंडल वेंडर के बीच पैसों के लेन–देन से संबंधित बातें हुआ करती थीं।

जॉच समिति द्वारा दिए गए बैंक स्टेटमेंट तथा संबंधित कर्मियों तथा कैडर्स के लिखित बयान यह साबित करते हैं कि श्री सुमित कुमार ने अपने पद का दुरूपयोग करते हुए एक वेंडर को आर्थिक लाभ पहुंचाया। श्री सुमित कुमार द्वारा अंजाम दिए गए उक्त कृत्य से परियोजना की छवि धुमिल हुई तथा कम्यूनिटी फंड का दुरूपयोग किया गया तथा यह सत्यापित होता है कि श्री सुमित कुमार अपनी गलतीयों को ढकने के लिए एवं मामले में अपने बचाव हेतु मिथ्या वक्तव्य दे रहे हैं।

उसी तरह डगरूआ प्रखंड पूर्णियां में ही बैकयार्ड पॉल्ट्री में हुई वित्तीय अनियमितता की जॉच भी राज्य स्तरीय समिति द्वारा सितंबर 2018 में की गई थी। प्राप्त प्रतिवेदन में मुख्य बिंदु निम्नवत हैं जो बैकयॉर्ड पॉल्ट्री के लिए प्राप्त निर्देश के विरूद्ध हैं :–

1. जिस हीरालाल मंडल को श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक कहते हैं कि वे उन्हें नहीं जानते हैं उनके ही कार्यकाल में डगरूआ प्रखंड में ही पॉल्ट्री इंटरवेन्शन में हुई अनियमितता में भी वह शामिल था।
2. दो मदर यूनिट का संचालन एक साथ एक ही मदर युनिट पर किया गया। जिसका संचालन हीरालाल मंडल एवं उसकी पत्नी ज्योती देवी द्वारा किया जा रहा था।
3. समिति सदस्यों को मदर युनिट एवं अंश ग्राम संगठन पर पॉल्ट्री से संबंधित कोई रजिस्टर प्राप्त नहीं हुए।
4. अंश वी0ओ0 की सी0एम0 एवं संबंधित Poultry Resource Person (PRP) आपस में बहनें हैं।
5. एस0एच0जी0 के सदस्यों से बिना अंशदान लिए 5 – 50 चूजे दिए जाने का प्रावधान है।
6. 28 दिवसीय चूजों के वितरण के पूर्व सभी संबंधित एस0एच0जी0 सदस्यों को एक दिवसीय प्रशिक्षण नहीं दिया गया।
7. अंश वी0ओ0 के सचिव के अनुसार, खरीदारी किए गए दाना, दवा तथा वैक्सीन का चेक बी0पी0एम सुमित कुमार एवं एलएचएस डगरूआ के आदेशानुसार काटा गया।

8. समिति सदसयों को मंटु पॉल्ट्री फीड एवं ज्योति पॉल्ट्री फीड जिनसे मुर्गी दाना, दवा एवं वैक्सीन की आपूर्ती की गई थी की दुकान पूर्णियां में नहीं मिला।

इन त्रुटियों के कारण ही राज्य स्तरीय जॉच समिति ने डगरूआ प्रखंड जिला पूर्णियां ने अपने प्रतिवेदन 18/20.09.20218 में बी0पी0एम0 श्री सुमित कुमार के लिए अनुशंसा किया है कि

"Appropriate action should be taken against BPM Dagarua for the dereliction of duties being not taking proper action to regularize the scheduled meeting of closed CBOs (VO/CLF) for longer period, not apprising the status of functionality related issues of concerned CBOs at the appropriate project level. As explain to committee the aspect being uncontrollable at his end. There seems to be his involvement in financial irregularities in poultry intervention under his responsibility area." **(अनुलग्नक – 9)**

पूर्णियां जिले के डगरूआ प्रखंड में सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कटारे से रूपये 29,05,267/– की वित्तीय अनियमितता का मामला भी संज्ञान में आया। इसके लिए प्रखंड स्तर एवं जिला स्तर की जॉच के लिए समिति का गठन किया गया एवं उनके प्रतिवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार भी श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक, डगरूआ, बैंक सखी दीपा कुमारी के सहयोग से सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कटारे में उपरोक्त राशि न जमा करते हुए दोनों ने मिल कर गबन किया।

इस प्रकार, श्री सुमित कुमार, तत्कालीन प्रखंड परियोजना प्रबंधक, डुमरिया गया का उपरोक्त कृत्य एच0आर0डी0 मैनुअल के Annexure – 6 (b) 1 - Misappropriation of the funds of the project, dishonesty and fraud तथा (b) 15 - Bringing disrepute to the project के अंतर्गत घोर कदाचार की श्रेणी में आता है। अतः श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक, डुमरिया, गया को अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं करने एवं Community Based Organisation (CBO) को सशक्त बनाने के बदले षडयंत्रपूर्वक व्यक्तिगत लाभ के लिए उपयोग करने के कारण परियोजना के सेवाओं से तत्काल प्रभाव से बखास्त किया जाता है।

(राहुल कुमार)
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी

श्री सुमित कुमार,
प्रखंड परियोजना प्रबंधक
डुमरिया, गया

प्रतिलिपिः

1. निदेशक / विशेष कार्य पदाधिकारी
2. समस्त परियोजना समन्वयक / मुख्य वित्त पदाधिकारी / प्रोक्योरमेंट स्पेशलिस्ट
3. समस्त राज्य परियोजना प्रबंधक/परियोजना प्रबंधक/राज्य वित्त प्रबंधक / सहायक वित्त प्रबंधक
4. समस्त जिला परियोजना प्रबंधक / समस्त एच0आर मैनेजर / समस्त वित्त प्रबंधक
5. संबंधित संचिकाएं

अनुलग्नक - 1

Niranjan Kumar <niranjan123livestock@gmail.com>

Fwd: Irregularities in Goat interventions

1 message

Rakesh Kumar Singh <spm.ls@brlps.in>
To: Niranjan Kumar <niranjan123livestock@gmail.com>
Cc: ajay kumar <dpm.ls@brlps.in>, Sumit Kapoor <pm.ls@brlps.in>

Fri, Oct 9, 2020 at 4:07 PM

---------- Forwarded message ---------
From: **Sunirmal Garain** <dpm_purnea@brlps.in>
Date: Fri, Oct 9, 2020 at 2:36 PM
Subject: Irregularities in Goat interventions
To: Kumar Anshumaly <director@brlps.in>
Cc: Rakesh Kumar Singh <spm.ls@brlps.in>, Rajesh Singh <vetrajeshsingh@gmail.com>

Respected Sir,

With due respect I would like inform you that Purnea Jeevika is implementing Goat Intervention in 2 Block of the District. We are implementing "Integrated Goat and Sheep Development Scheme" of Animal and Fish Resource Department, Govt. of Bihar.Regarding this intervention a office order is issued on 31.05.2017 officer order BRLPS/Project/463/13/1042. According to the above office order,PG should form , selected pg member procured three breedable goats, they are 6-8 month age group ,8-10 kg body weight and black Bengal breed of goat.

Manager-Livestock Purnea validated all goats during validation. During goat validation manager-livestock observed that BPM dagarua (Mr. Sumit Kumar) violence the officer order. Not a single goat purchased by the members in all 16 goat Pg .In all 16 PG goats supplied by the local vendors.In this activity BPM can be involved with some selected cadre like MBK,BK and CM.

DPCU Purnea was formed Five member committee on 3rd October 2020 with my Supervision ,Report of committee is pending till now.

Previously they were also involved in poultry intervention,procurement of mobile in goat PG.Vehicle hiring etc. Committee has formed in all above cited topics and a report of the committee has been sent to SMPU. In all enquiries the BPM Dagarua is the main culprit. In the presence of him the Goat interventions will not smoothly implemented .

This is for your kind information and needful action please so that Goat interventions will be implemented smoothly and we will be abled to submit UC to Dept. Of Animal Husbandry.

With Regards
Sunirmal Garain
DPM
DPCU Purnea
JEEViKA
BRLPS (SRLM Bihar)

---------- Forwarded message ---------
From: **Rajesh Singh** <vetrajeshsingh@gmail.com>
Date: Fri 9 Oct, 2020, 11:30 AM
Subject: Fwd: Reg. Tagging of goat
To: Sumit Kumar <sumitjeevika@gmail.com>
Cc: Sunirmal Garain <dpm_purnea@brlps.in>, Rakesh Kumar Singh <spm.ls@brlps.in>, ajay kumar <dpm.ls@brlps.in>, Sumit Kapoor <pm.ls@brlps.in>, anamika sinha <anamikamadhu14@gmail.com>, Pranav Mali <pranavmali.niam15@gmail.com>, arvind pardhi <arvind92pardhi@gmail.com>, Sunny Kumar <078sunny78bd@gmail.com>, Niranjan Kumar <niranjan123livestock@gmail.com>, Kumar Saurabh <ks238709@gmail.com>

Dear Sumit Ji,
After completion of seven days, tagging of the left 510 goats is not completed till now. I follow up regularly regarding tagging of goats but you replied please give me two days time. I talked with you today morning and you told me goats have dead.If all goats are dead then send the report of goat mortality. After validation of goat how much goat has died in left 510 goats.SPMU team regularly asking about tagging of goats.Please send the above report upto 11th October 2020.

With regards,
Dr. Rajesh Kumar Singh
Manager-Livestock

---------- Forwarded message ---------
From: **Rajesh Singh** <vetrajeshsingh@gmail.com>

अनुलग्नक - 2 A

JEEViKA

Rural Development Department, Government of Bihar

Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
State Rural Livelihoods Mission, Bihar

Vidyut Bhawan - II, Bailey Road, Patna- 800 021; Ph.:+91-612-250 4980; Fax:+91-612-250 4960, Website:www.brlps.in

Ref. No. -BRLPS/Estt-HR/1645/19/Vol-III/2063 Date - 13/10/2020

To

BPM Dagarua,
Purnia

Show-Cause

Jeevika, Purnea has been implementing Goat Intervention namely "Integrated Goat and Sheep Development Scheme" in convergence with Fish Resources Department, Government of Bihar in 2 Block of the District. An Office order, vide Ref no – BRLPS/Project/463/13/1042 Dated – 31-05-2017 was issued regarding implementation process of the programme. But, it has been reported that you have violated the provisions of said Office Order and has failed to follow the prescribed norms. During validation of Goats, following deviations have been noticed on your part:-

According to the aforementioned Office Order, Producer Group has to be formed and three breedable goats with defined specification was to be purchased but not a single goat purchased by the PG members in all 16 goat PGs. In all PGs, goats were supplied by the local vendor without following the procurement norms which clearly indicates your mala-fide intention.

As per mail of the concerned SPM, tagging of 510 Goats has also not been completed till now. It has also been noticed that out of 510 Goats, some of them have died and still, Goat mortality Rate report is awaited.

Thus, you have committed serious lapse that resulted into serious loss to the community. Hence, in view of the above, you are, hereby, directed to submit your explanation in the matter failing which it will be presumed that you have nothing to say and accordingly necessary action will be taken.

Anand Shankar.
13/10/2020

(Anand Shankar)
State Project Manager – HRD

Copy to:

1. SPM - Livestock
2. DPM Purnia
3. HR Manager – Purnia
4. Concerned files
5. OSD / Director

To,

The SPM HRD

BRLPS Jeevika,Patna

Subject:-Regarding justification of Show-cause: Ref No BRLPS/Estt-HR/1645/19/Vol-3/2063 dated 13.10.2020.

Respected Sir,

I would like to inform you that BPIU Dagarua implementing integrated goat and sheep development scheme (IGSDS) since 2017. BPIU Dagarua successfully completed First phase, Second phase and Forth phase is going on.

I got show-cause regarding violation of office order vide Ref no-BRLPS/project/463/13/1042 dated 31.05.2017 on dated 15th October 2020.

Justification of show cause are given below point wise.

1) I would like to justify you that as per target,at first we have formed all goat PG in the month of February and March 2020, after formation of PG we have Completed orientation of all 23 goat PG including 16 goat PG in the month of February and March 2020.After that we have completed procurement orientation of all goat PG in the month of June and July 2020 because complete lock down of our country in the month of April & May 2020. As per show-cause not a single member procured three breedable goats in 16 goat PG - In this regard I would like to justified you that all member of all 16 PG purchased 3 Goats as per procurement norms by himself in local village, Panchyat & local Hatiya (Dagarua,Sapni, Baisi ,Sisabari & Rauta).This is confirmed by the members during validation of Goats.
In this regard a district level committee has been formed and visited two goats PG.

So, Sir as per my knowledge not a single member procured goat by the local vendors.

2) 510 goats is not tag till now- In this regard I would like to inform you that 510 goats was untagged but till now we have tagged 195 goats and left 315 goats will be tagged within 2-3 Days. So that there are no any mortality in all 510 goats. I have reported 361 goats mortality in MPPR in the month of September 2020 other than 510 goats not 510 goats. (361 mortality occurs due to heavy rain fall continuously in last week of September 2020) An advisory has been also issued by the Government of India and Government of Bihar and also District administration of Purnea regarding heavy rain fall and Thunderstorm.

According above justification there is no any violation of office order from my side and I have never intention to loss community because we all are work for the community members and their economically enhancement.
As a responsible staff of Project, I am giving service in JEEVIKA since February 2014 with honesty & working with dedication for the betterment of the POP community members. So sir request you to kindly considered the above explanation.

Thanking you.

Sumit Kumar
15/10/2020
BPM, Dagarua
Purnea

जाँच प्रतिवेदन

दिनांक 03-10-2020 को जिला स्तरीय जाँच समिति गठित की गयी थी, जिसमें निम्नलिखित बिन्दुओं पर जांच कर जांच प्रतिवेदन जिला कार्यालय को समर्पित करना था :-

01. निम्नलिखित 16 बकरी उत्पादक समूह में उत्पादक समूह के सदस्यों द्वारा बकरी नहीं खरीद कर बकरी उपलब्ध कराया गया | उत्पादक समूह का नाम क्रमशः इस प्रकार है |
प्राची, माही, सवेरा, हायात, किरण, कन्या, आशा, गति, गायत्री, कमल, सरगम, रोज़, दर्पण, राही, साँची, आँचल |

02. Goat validation के दौरान उत्पादक समूह के सदस्यों द्वारा बकरी खरीदारी के बारे में बताया गया कि वह स्वयं बकरी खरीदी है, किन्तु उसके पति और ग्रामीण के द्वारा के बताया गया कि बकरी उपलब्ध कराया गया |

03. शत-प्रतिशत सदस्यों द्वारा यह बताया गया कि बकरी की खरीदारी स्वयं के द्वारा किया गया |

04. कुछ चुनिन्दा कैडर के द्वारा उपर्युक्त वर्णित Goat PG में वित्तीय रूप से लाभान्वित होने हेतु संलिप्तता |

जिला स्तरीय समिति जो बनायी गयी उसमें निम्नलिखित सदस्यों को नामित किया गया |

- Mr. Virendra Kumar Das (M-CF)
- Dr. Rajesh Kumar Singh (M-LS)
- Mrs. Chanda Kumari (M- SD)
- Mr. Vikas Kumar (Proc. Manager)
- Mr. Niraj Prasad (M-HR)

उपर्युक्त जाँच कार्य को सम्पादन के लिए समिति के द्वारा किरण, कमल, आँचल, प्राची, माही, रोज़ बकरी उत्पादक समूह में समिति के द्वारा भ्रमण किया गया एवं निम्नलिखित बातें उभरकर सामने आयी :-

01. समिति के द्वारा सबसे पहले नघड़ा पंचायत के सौरा गांव में किरण PG के सदस्यों से बात की गयी | रामरती देवी, अनीता देवी, कुसुम देवी, प्रमिला देवी इन सभी सदस्यों से पूछने पर पता चला कि बकरी की खरीदारी स्वयं के द्वारा की गयी, किन्तु ग्रामीण (वीरेंद्र राय) के द्वारा सामूहिक रूप से बताया गया कि सभी सदस्यों को 3-3 बकरियां उपलब्ध करायी गयी एवं समझाया गया कि किसी के द्वारा पूछने पर यह बतलाना है कि स्वयं के द्वारा बकरी खरीदारी की गयी |

02. समिति के द्वारा पुनः कमल Goat PG में भ्रमण किया गया एवं सदस्यों से पूछ-ताछ के क्रम में यह पता चला कि बकरी की खरीदारी स्वयं के द्वारा की गयी, परन्तु वार्ड मेम्बर के द्वारा बताया गया कि बकरी का सप्लाई किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा की गयी है , और एक सदस्य को 3 बकरी उपलब्ध कराने के एवज में उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति को 9300 रुपया की दर से राशि देनी पड़ेगी |

03. समिति के द्वारा आँचल Gaot PG का भ्रमण किया गया जो तेलिनिया रहिका ग्राम (पंचायत – रामपुर) में अवस्थित है | इसी जांच के क्रम में दुखनी देवी (SHG-महादेव) से बातचीत के दौरान ये बात सामने आयी कि इस टोला में बहुत से दीदी को बकरी दिलीप ऋषि (VRP) के द्वारा दिया गया | बकरी शाम के समय में गाड़ी से लाकर दीदियों को उपलब्ध कराया गया | कुछ दीदी के द्वारा बातों ही बातों में बताया गया कि " दिलीप के द्वारा बोला गया कि सर के आदेश पर बकरी उपलब्ध कराया जा रहा है" |

बातचीत के दौरान यह भी पता चला कि CSP से अंगूठा लगवाकर बकरी वाला पैसा निकाल लिया जाता है एवं इस निकासी की Goat PG सदस्यों को भनक तक नहीं लग पाता है | यह एक सोची समझी साजिश भी हो सकती है |

04. इसके बाद समिति द्वारा ग्राम कोचैली (पंचायत- रामपुर) के वार्ड न. 07 में प्राची एवं साक्षी Goat PG के सदस्यो से बातचीत की गयी | वहां पर प्राची PG के सदस्य एवं CM कल्पना कुमारी, उमा देवी, उपस्थित ग्रामीण एवं PG के सदस्यों से बातचीत की गयी एवं उनके द्वारा बताया

गया कि "CM स्त्री देवी के घर पर शाम के समय गाड़ी पर बकरी लाया गया था और हमलोगों को कहा गया कि अपने पसन्द से 3-3 बकरी ले लीजिये, तो हमलोगों ने 3-3 बकरी लेकर आ गये"।

05. उपस्थित ग्रामीणों यथा कृष्ण लाल विश्वास, दिनेश कुमार विश्वास, वीरेन्द्र यादव से बातचित के दौरान यह पता चला कि यहाँ बकरी उपलब्ध कराया गया और 12000 रुपया के लिए सभी लोगों का FINO बैंक के CSP में खाता खोला गया ताकि बायोमेट्रिक के जरिये सभी PG सदस्य के खाते से रुपया की निकासी असानी तरीके से की जा सके।

06. सभी सम्बधित CC से बातचीत की गयी एवं लिखित रूप से बयान लिया गया जिसमें फकनी CC के द्वारा यह बताया गया कि "मेरे चारों Goat PG में सदस्य स्वयं बकरी खरीदी"। जबकि वहां ग्रामीणों / दीदी के पति द्वारा बताया गया कि बकरी उपलब्ध कराया गया।

CC रजना के द्वारा भी बताया गया कि "मेरे 8 Goat PG में सभी दीदियों के द्वारा बकरी की खरीदारी की गयी"।

CC रंजना के द्वारा यह भी बताया गया कि "कुछ दीदी को बकरी उपलब्ध कराया गया होगा, लेकिन इसकी जानकारी मुझे नहीं है"।

लेकिन जाँचोपरांत पाया गया कि प्राची एवं माही Goat PG में बकरी उपलब्ध करवाया गया।

CC निशि के द्वारा यह बताया गया कि "मैंने अपने नो Goat PG में सभी दीदियों को उन्मुखीकरण किया था कि "दीदी आपलोग स्वयं 3-3 बकरी खरीदें और इसके बदलें आपके खाते में परियोजना के द्वारा 12000 रुपया दिया जायेगा, लेकिन मेरे चार Goat PG (दर्पण, कन्या, राही, साँची) में अरुण मिश्रा (MBK- प्रकाश CLF) एवं BPM सुमित कुमार का गलत तरीके से Involment होने के कारण वहां बकरी उपलब्ध कराया गया साथ ही दीदियों के बीच यह भी सूचना फैलाया गया कि CC का कोई रोल Goat PG में नहीं है जो कुछ है वह MBK एवं BPM सर है"।

कुमार सौरभ (YP Livestock) के द्वारा भी बताया गया कि सभी 16 Goat PG से मात्र कुछ दीदी (20 %) के द्वारा स्वयं बकरी की खरीदारी

.12.2020 Vikas .12.2020

की गयी एवं 80 % दीदी को किसी के इशारे पर CM, BK, MBK के माध्यम से बकरी उपलब्ध कराया गया।

निष्कर्ष:-

समिति के द्वारा जांचोपरांत यह पाया गया कि CC फेकनी एवं CC रंजना का गलत तरीके से बकरी की उपलब्धता में आंशिक रूप से शामिल होना प्रतीत होता है एवं BPM सुमित कुमार, MBK अरुण मिश्रा, VRP दिलीप कुमार का पूर्ण रूप से बकरी को उपलब्ध कराने में शामिल होना प्रतीत होता है एवं कार्यालय आदेश संख्या BRLPS/Project/463/B,Vol-II/4764 Dated: 05-03-2018 में जहां Goat PG सदस्य द्वारा स्वयं बकरी की खरीदारी करने की बात की जा रही है वही उपरोक्त परियोजना कर्मियों के द्वारा इस उद्देश्यों को अवहेलना की जा रही है। किसी खास बैंक के CSP में खाता खुलवाना एवं CSP से अंगूठा लगवाकर बकरी वाला रुपया निकाल लेना एवं इस निकासी की Goat PG सदस्यों को भनक तक नहीं चल पाना यह एक सोची समझी साजिस का हिस्सा हो सकती है।

इस जांच प्रतिवेदन के साथ CC फेकनी कुमारी, CC रंजना कुमारी, CC निशि कुमारी एवं कुमार सौरभ (YP Livestock) का लिखित बयान संलग्न है।

JEEViKA
Rural Development Department, Government of Bihar
Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
State Rural Livelihoods Mission, Bihar
Vidyut Bhawan - II, Bailey Road, Patna- 800 021; Ph.:+91-612-250 4980; Fax:+91-612-250 4960, Website:www.brlps.in
बिहार सरकार

Ref no BRLPS/ESH-HR/1645/19/3183 Date 28.1.21

To
Mr Sumit Kumar
Block Project Manager
Dagarua, Purnea

Subject: 2nd Show cause notice in reference to letter no. BRLPS/ESTT-HR/1645/19/Vol 3/2063

A District Level Committee had been formed on 3.10.2020 to inquire into irregularities in Goat Intervention. The report is being attached with this letter.

You are hereby directed to submit your explanation on every point of the report within 7 days of the receipt of this notice otherwise stern action will be taken against you as per HRD Manual of BRLPS.

28.01.2021
(Kumar Anshumaly)
Director

Copy to:-

1. Director/OSD/CFO/AO
2. DPM/HR Purnea to ensure service of this show cause notice to Mr Sumit kumar, BPM deputed at DPCU.
3. Concerned files

(1)

सेवा में,

आदरणीय डायरेक्टर सर,

जीविका SPMU, पटना

विषय- दिनांक 28-01-2021 को प्राप्त पत्र के स्पष्टीकरण (सलंग्नक 2) के संबंध में,

महाशय,

निवेदन के साथ उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में कहना है कि IGSDS के तहत BPIU डगरुआ प्रखंड में बकरी पालन का कार्य 2017 से ही किया जा रहा है जिसमे प्रथम चरण के सभी बकरी PG में CID और CIF मद के अतगंत डगरुआ के सभी संबंधित बकरी PG में PG के मांग के आधार पर जिला कार्यालय, पूर्णिया से अप्रैल 2018 में ही फण्ड भेजा गया था और उक्त वितीय वर्ष(2018-19) में CIF मद के तहत मोबाइल, दरी, बक्सा , बोर्ड आदि वस्तुओं की खरीदारी PG के माध्यम से की जानी थी। लेकिन दिसम्बर 2018 तक किसी भी बकरी PG में उक्त समानों की खरीदारी PG के द्वारा नही हो पाई थी ।

इस बीच अक्टूबर,2018 से लेकर दिसम्बर ,2018 के अंतिम सप्ताह तक पूर्णिया DPCU में पशुधन प्रबंधक की पद खाली थी और उस समय में भी डगरुआ प्रखंड में किसी भी बकरी PG में उक्त सामानों की कोई खरीदारी नही हुई थी।

फिर दिसम्बर ,2018 के अंतिम सप्ताह में डॉ राजेश सर ने DPCU Purnea , पशुधन प्रबंधक के रूप में योगदान दिए और डगरुआ प्रखंड में प्रथम चरण की बकरी PG में उक्त सामानों की खरीददारी गतिविधियों को लेकर लगातार सभी बकरी PG में जाने लगे और सभी बकरी PG में जाकर स्पष्ट रूप से खरीददारी के लिए अचानक से दवाब बनाने लगे और बकरी PG में दीदियों और कैडर यथा पशुसखी, CM से उनका स्पष्ट कहना था कि **"सभी PG की दीदियाँ एक ही जगह जाकर मजे से खरीदारी कर सकते है, चेक से पेमेंट कर सकते है ,सिर्फ नकद खरीददारी नही करेंगे और होलसेल में खरीददारी करेंगी इसके लिए कोई कोटेशन की आवश्यकता नही होती है।** बकरी PG में जाकर उनका कहना था कि बकरी PG में इसी प्रकार से खरीदारी की जाय अन्यथा फण्ड को वापस कर दिया जायेगा, जिसके फलस्वरूप सभी सम्बंधित 19 बकरी PG में से 11 बकरी PG के दीदियों के द्वारा कुछ सामान जैसे मोबाइल, दरी , बक्सा आदि की खरीदारी Dr राजेश सर के आदेशानुसार फरबरी 2019 में की गयी थी . फरबरी 2019 में ही डॉ राजेश सर डगरुआ BPIU के प्रखंड मेंटर भी बन गये थे. (**महत्वपूर्ण साक्ष्य - 1.उक्त समय के डॉ राजेश सर का वार्तालाप का ऑडियो संलग्न है).**

उसके बाद जब 11 बकरी PG से उक्त सामानों की खरीददारी की UC बिल प्रति सहित BPIU डगरुआ को मार्च, 2019 में कंसर्न CC और PG के OB सदस्यों के अनुशंसा के बाद समायोजन के लिए प्राप्त हुयी तब मैंने बिल सत्यापन के लिए मोबाइल के बिल का मूल्य इन्टरनेट पर चेक किया और उक्त समय 6500 रुपया पाया और डॉ राजेश सर सह BPIU मेंटर को बताया की इस प्रकार की बात है तो डॉ राजेश सर सह मेंटर डगरुआ ने सीधे सभी UC को DPCU पूर्णिया भेजने का आदेश दिया क्योंकि तब तक डॉ राजेश सर को ज्ञात हो चूका था की उनके द्वारा बकरी PG में दीदियों को गलत प्रेरित किया गया था की "सभी PG की दीदियाँ एक ही जगह जाकर मजे से खरीदारी कर सकते है, चेक से पेमेंट कर सकते है ,नकद खरीददारी नही करेंगे और होलसेल में इसके लिए कोई कोटेशन की आवश्यकता नही होती है।"

फिर डॉ राजेश सर सारे गलतियों को मुझ पर ही थोपने की साजिश में लग गए और उक्त फाइल समायोजन के लिए DPCU जाने के बाद वो खुद से इस खरीददारी सम्बंधित जांच कमिटी में सदस्य भी बनकर लगातार डगरुआ आने लगे **(2. उनके लगातार आने का मुख्य कारन TA/ DA बनाना था साक्ष्य- उनके द्वारा वार्तालाप का ऑडियो संलग्न)**

ज्ञात हो की उक्त समय मे डगरुआ में हुयी बकरी हाट जिसमे 5 बकरी PG और पहले की 14 बकरी PG मे दीदियों की बीमार और मृत बकरी की सुचना देने से भी वो मुझ पर फरवरी, 2019 मे बौखला गये थे और **एक बार भी न तो किसी भी 19 बकरी PG में बीमार बकरियों का इलाज किया और न ही एक भी मृत बकरियों का पोस्टमार्टम as per पालिसी उनके द्वरा किया गया** जिसके कारन आज तक डगरुआ ही नही बल्कि पूर्णिया जिले मे एक भी दीदी को बकरी के बीमा पालिसी प्रत्येक PG में होने के बावजूद भी बीमा का लाभ 4000 रूपये प्रति मृत बकरी आज तक नही मिला है . जब भी मैंने डॉ राजेश सर से इस बात की चर्चा की वो हमेशा मुझे मानसिक परेशान और बदनाम करने की नियत से अगले दिन कोई न कोई कमिटी के सदस्य बनकर डगरुआ आ जाते थे .

इसके अलावे शुरुआत में उक्त फाइल को अपने पास रखकर अपनी निजी स्वार्थ को भी उनके द्वारा भुनाने की कोशिश की गयी .इसको इस बात से समझा जा सकता है की 11 बकरी PG के UC को जिला कार्यालय को 18.03.2019 को **समायोजन के लिए भेजा गया था, जाँच प्रतिवेदन के रिपोर्ट पर डॉ राजेश सर और अन्य का हस्ताक्षर 06.07.2019 को है और राज्य कार्यालय को अनुशंसा 11.09.2020 को की गयी है।**

जाँच प्रतिवेदन की बात की जाय तो दूसरे पन्ने में आरोप यह है कि मोबाइल दुकानदार को मेरे द्वारा मोबाइल देने का आदेश दिया गया, दुकानदार को चेक भी प्राप्त हुआ, और दुबारा चेक भी प्राप्त हुआ। यहाँ गौर करने की बात है की इतना कुछ होने के बावजुद भी दुकानदार को मेरा नाम , पद की जानकारी नही है,सिर्फ जीविकाकर्मी के रूप में दुकानदार को मेरे बारे में पता है और जो मोबाइल संख्या बताई गई है वह मेरा Purnia Jeevika Official पर पिछले 4 वर्ष से है और वही से यह सार्वजनिक मोबाइल नंबर लेकर जांच प्रतिवेदन में डॉ राजेश सर के द्वारा लिखवाई गयी है . यह आरोप पूरी तरह से निराधार है . सभी बाते महाशय के द्वारा भी स्पष्ट रूप से समझी जा सकती है.

उसके बाद सभी पशुसखि को उसी मोबाइल से डॉ राजेश सर के द्वारा 04 मार्च 2020 को भी ट्रेनिंग दी गयी है , अगर सभी मोबाइल खराब थी तो 1 वर्ष बाद पशुसखी को प्रशिक्षण कैसे डॉ राजेश सर के द्वारा दिया जा रहा था. **(3. पशुसखी की मीटिंग की फोटो अटैच्ड)** , जबकि गलत आरोप लगाया गया है कि मोबाइल हैंग हो रही है, काम नही कर रही थी ।

जिस समय UC मेरे BPIU को प्राप्त हुई थी उस समय मैंने बिल पर अंकित मोबाइल का इन्टरनेट पर चेक किया और मूल्य 6500 रुपये पाए। इसकी जानकारी Dr राजेश सर को भी दिया तो उन्होंने कहा कि कोई दिक्कत नही आप UC भेज दे। जबकि प्रतिवेदन के तीसरे पन्ने में आरोप यह है की " मोबाइल का मूल्य 5700 दर्शाया गया और अनुमान लगाया गया है कि अगर 11 मोबाइल खरीद की जाती है तो 1285 रूपये के दर से 14143 रुपया का वितीय अनियमतायें को दर्शाती है। जबकि सभी को ज्ञात है कि मोबाइल की कीमत लगभग हर सप्ताह घट और बढ़ सकती है जैसे आज ऐमज़ॉन पर itel a 42 प्लस का मूल्य 5149 रूपये दिख रही है जबकि फ्लिपकार्ट पर 5850 रूपये । पुरे तरीके से वितीय अनियमितता का लगाया गया आरोप भी गलत है . **(4.Itel a 42 PLUS का मूल्य मार्च 2019 और फरवरी 2021 की तुलनात्मक विवरण अटैच्ड)**

उसके बाद यह लिखा गया है की इस जाँच के संबंध में मेरे द्वारा उक्त समय कभी भी किसी प्रकार का कोई सहयोग कमिटी को नही किया गया जबकि सच्चाई यह है की जाँच संबधी न ही किसी प्रकार का कोई कभी भी मेल या कोई सूचना मुझे आने से पूर्व दी जाती थी. पुरे तरीके से कमिटी का यह आरोप भी निराधार है .

इसके बाद जांच कमिटी को PG के दीदियों के द्वारा खरीद की गयी दुकान का पता नही चला , इस सम्बंध में पुनः कहना है कि सिर्फ मुझे मानसिक प्रताड़ित करने की मंशा से इस प्रकार की बाते लिखी जाती है, पहले भी पोल्ट्री में VO के द्वारा की गई खरीदारी में इन्हें दुकान नही मिली थी जबकि उसी 2 दुकान से 2014 से लेकर 2018 तक के 14 Block के 51 Mother यूनिट के ट्रांसक्शन का लिस्ट भी डिटेल्स के साथ मैंने पहले दिया था। प्रसंग को महाशय द्वरा समझा जा सकता है .

Sumit kumar

र, डगरुआ मे बकरी PG के कम्युनिटी सदस्य की बकरी PG और CLF मे खरीददारी संबंधित मीटिंग को लेकर डॉ राजेश र और खरीदारी प्रबंधक विकास कुमार ज़ी भी आये थे (5.मीटिंग की फ़ोटो भी इस पत्र के सलग्न है)। जबकि पृष्ट 7 मे आरोप यह है कि मेरे द्वारा जिला कार्यालय से बकरी PG मे खरीदारी के उन्मुखीकरण के लिए कोई सहयोग या सवाद मेरे स्तर से नही किया गया . इसलिए ,यह आरोप भी निराधार है .

एक और बात लिखी गयी है कि एक ही CC पर 19 PG को उनके कार्यक्षेत्र मे दिया गया है , ज्ञात हो कि उक्त CC मोनी कुमारी को 2018 मे जिला कार्यालय, पूर्णिया से डगरुआ मे लाइवस्टॉक नोडल के रूप मे चयनित किया गया था . जबकि अन्य सभी CC को भी बकरी PG संबंधित कार्य के लिए मीटिंग और कार्य सम्बन्धी के लिए प्रतिनियुक्त किया जाता था (6. फिल्ड की फोटो अटैच्ड जिसमे सभी CC शामिल) । 2018 अप्रैल मे जब CC नूतन कुमारी को रामपुर पंचायत मे बकरी परियोजना के लिए प्रतिनियुक्त किया गया तो भी उन्होंने वहां कार्य नही किया. सीधे तौर पर मना कर दिया . इस सम्बन्धी जिला कार्यलय को सुचना भी दी गयी थी, लेकिन मुझे उस पर कारवाई के लिए कोई मार्गदर्शन नही मिला. उक्त CC को दिया गया स्पष्टीकरण सलंग्न है (7.बकरी PG कार्य सम्बंधित नूतन CC का स्पष्टीकरण पत्र अटैच्ड) है .एकमात्र AC महोदय सिर्फ अपने क्लस्टर के एंकर पर्सन के साथ, MF नोडल, HN नोडल और IB, CB नोडल के रूप में प्रखंड में 2017 से कार्यरत थे, जिला कार्यालय से भी उनको अपने थीम को लेकर ही कार्य करने का आदेश था . साथ ही बकरी PG को लेकर उनके क्लस्टर में बाढ़ ग्रस्त होने के कारण कोई भी बकरी PG का निर्माण नही किया गया था . उक्त अनुभवी AC महोदय को फेज 4 यानि दिसम्बर 2019 मे भी 10 PG बनाने का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन उनके और उनके 6 पंचायत के 2 CC के द्वारा शून्य बकरी PG का निर्माण किया गया। सभी बातों की जानकारी डॉ राजेश सर सह मेंटर डगरुआ को भी थी . फिर भी इस प्रकार के निराधार आरोप लगाया गया है की सभी कर्मी की भागीदारी नही की जाती है .

इसके बाद जांचोपरांत समिति के निष्कर्ष की बिंदुबार विवरण निम्न है :-

1 प्रथम बिंदु में निष्कर्ष यह है की खरीदारी से पूर्व PG मे सामान की विशेषता/ मापदंड की चर्चा नही की गई है , जबकि फरबरी , 2019 मे आफिस order 31.05.2017 के अनुसार Goat PG में दीदियों के द्वारा जो मोबाइल(Itel a 42 Plus और Redmi 6) खरीददारी फरबरी 2019 में जो गई है , 18 .07.2019 को मोबाइल प्रोक्योरमेंट से संबंधित SPMU आफिस आर्डर मे सभी specification उस मोबाइल itel a 42 प्लस उपलब्ध है (8 और 9 अटैचमेंट में उपर्युक्त सभी विवरण स्पष्ट है) साथ ही , दरी, बक्सा और वाइट बोर्ड भी as per specification ही PG मे दीदियों के द्वारा खरीदारी की गयी थी.

2 दुसरे विंदु में निष्कर्ष के सम्बन्ध में कहना है की खरीदारी PG के दीदियों के द्वारा , डॉ राजेश सर के बकरी PG मे दीदियों को उनके द्वारा Mobilisation के फलस्वरूप ही की गयी थी.

3 तीसरे बिंदु के निष्कर्ष के सम्बन्ध में इस पत्र के दुसरे पृष्ठ में विस्तार से चर्चा की गयी है .सभी CC को बकरी सम्बंधित कार्य की जवाबदेही दी जाती थी. कार्य आने पर सभी CC का सहयोग लिया जाता था।

4 चौथे बिंदु के निष्कर्ष के सम्बन्ध मे कहना है की मेरे दवारा किसी को भी मोबाइल उपलब्ध कराने को प्रेरित नही किया गया है. यह सिर्फ डॉ राजेश सर के द्वारा अपनी गलतियों को मुझ पर थोपने की नियत से लिखवाई गयी है .

5. पाचवे बिंदु के निष्कर्ष के सम्बन्ध मे कहना है की डॉ राजेश सर के द्वारा पहले ही सभी बकरी PG मे बतलाया गया कि खरीदारी के लिए कोई कोटेशन की आवश्यकता नही है । लेकिन उक्त समय मेरे जानकारी के अनुसार बकरी PG मे 3 कोटेसन उपलब्ध थी.

6. छठे बिंदु के निष्कर्ष के सम्बन्ध मे कहना है की मोबाइल उपलब्ध कराया गया है , जो पुरे तरह से गलत आरोप है . सभी को ज्ञात है की मोबइल संबंधित समस्याओं को सर्विस सेंटर मे सही किया जा सकता है. अगर हैंग हो रही थी इसका

Sumit [illegible]

-- VIKA

(4)

सेंटर मे सही कराने की आवश्यकता है। As per SPMU ऑफिस Order 1367 , DATE- 18.07.2019, Page No. 05 में Point 5 में यह स्पष्ट रूप से निर्देशित भी है। फिर भी इसके लिए भी मेरे ऊपर ही आरोप लगाये गये है, जो की तरीके से निराधार है .

7. सातवे बिंदु के निष्कर्ष के सम्बन्ध में कहना है की बकरी PG में दीदियों के द्वारा जो खरीदारी की गयी थी और जांच कमिटी को दुकान का न मिलना यह बातें स्पष्ट रूप से मानसिक प्रताड़ना हेतु लिखी जाती है। ज्ञात हो की पूर्व में भी रुगरुआ में अश VO के द्वारा जिस दुकान से पोल्ट्री सम्बंधित दाना , दवाई , टिका सम्बंधित खरीददारी के जाँच मे कमिटी के 4 कॉमन और नियमित सदस्य (वीरेंदर कुमार सर(CF मैनेजर) , राहुल कुमार झा सर (TO , मैनेजर) और विकास कुमार(खरीदारी प्रबंधक) और प्रेम प्रकाश सर (FM मैनेजर) थे जिन्हें उक्त दुकान नहीं मिली थी जबकि पूर्णिया जिले के 8 प्रखंड के 31 मदर यूनिट की खरीदारी उक्त दुकान से की गयी थी. जिसका डिटेल्स भी सर आपसे शेयर किया गया था . महाशय के द्वारा सभी प्रसंग को समझा जा सकता है .

8. आठवे से लेकर पंद्र्वे बिंदु के सभी निष्कर्ष के सम्बन्ध में कहना है की डॉ राजेश सर के आदेश से ही बकरी PG में दीदियों के द्वारा मोबाइल, दरी, बक्सा, बोर्ड की खरीददारी की गयी थी क्योंकि डॉ राजेश सर के आदेश और गलत प्रकार से बकरी PG के दीदियों को प्रेरित करने के कारन ऐसा हुआ है. कोटेशन के संबंध में भी पहले ही डॉ राजेश सर के दवारा स्पष्ट रूप से पहले ही सभी PG में लगातार जाकर कहा गया था की खरीददारी में कोटेसन की आवश्यकता नही है . लेकिन डॉ राजेश सर सभी गलतियों को मुझ पर थोपने के उद्देश्य से जाँच कमिटी बनाकर और खुद से कमिटी सदस्य भी बनकर मुझे मानशिक रूप से प्रतारित करते आ रहे हैं .उक्त समय मेंटर, YP लाइवस्टॉक, Concern staff और कैडर, भुगतान करने बाले मेम्बर को छोड़कर मेरी भूमिका को ही महत्वपूर्ण बना दिए है। मोबाइल दूकानदार के पास से मेरा सार्वजनिक मोबाइल नंबर (7004264630) का हवाला दे रहे है और पूरी तरह से जाँच प्रतिवेदन के कई बिन्दुओं को दिग्भमित कर मेरे ऊपर गलत आरोप लगाने की कोशिश किये है .

अतः, महाशय से निवेदन है की उपरोक्त सभी बिन्दुओं और मेल के साथ सलंग्नक को बिस्तारपूर्वक अपने स्तर से अवलोकन करने की कृपा की जाय जिस से यह स्पष्ट आपको अनुभव होगा की मुझे किस प्रकार गलत तरीके से आरोप लगाकर डॉ राजेश सर के द्वारा मानसिक प्रतारित किया जा रहा है . मैं पिछले लगभग 7 वर्षो से प्रोजेक्ट में पुरे तन्मयता और निष्ठा के साथ कार्य करते आ रहा हूँ लेकिन वर्तमान परिवेश मे इस प्रकार के आरोप –प्रत्यारोप से काफी मानसिक रूप से परेशान हो रहा हूँ इसलिए श्रीमान से निवेदन है की मुझे स्पष्टीकरण से मुक्त किया जाय ताकि मैं परियोजना के प्रति अपनी कार्य को आगे भी निष्ठापूर्वक कर सकूँ.

आपका विश्वासभाजन

Sumit Kumar
BPM,
DPCU Purnea

Date 05/02/2021
PLACE - DPCU, PURNEA

JEEViKA
Rural Development Department, Government of Bihar
Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
State Rural Livelihoods Mission, Bihar
बिहार सरकार
Jeevika Bhawan - II, Bailey Road, Patna- 800 021; Ph.:+91-612-250 4980; Fax:+91-612-250 4960, Website:www.brlps.in

3145-105-5

Ref. No. : BRLPS/Estt-HR/1645/19/Vol-III/3658

Date: 26.02.2021

Office Order

With the approval of Competent Authority, following official is being transferred and posted as under:-

S. No.	Name of staffs	Designation	Current Place of Posting	New Place of Posting	Date of approval effective from
1.	Sumit Kumar (BRLPS205780)	Block Project Manager	BPIU-Dagarua, Purnea	BPIU- Dumaria DPCU- Gaya	26. 02.2021

Transfer benefits will be applicable as per rules and regulation of BRLPS.

By the order of CEO
Anand Shankar
26/2/2021
(Anand Shankar)
State Project Manager- HRD

Copy to:-

1. Director/OSD/CFO/AO
2. All SPMs/SFMs/PMs & AFMs/PS
3. IT Sections
4. Concerned File.

JEEViKA
Rural Development Department, Government of Bihar
Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
State Rural Livelihoods Mission, Bihar
बिहार सरकार
Vidyut Bhawan - II, Bailey Road, Patna- 800 021; Ph.:+91-612-250 4980; Fax:+91-612-250 4960, Website:www.brlps.in

Ref no.: BRLPS/ESH-HR/1645/19/1134 20.7.2021

To
Mr Sumit Kumar
Block Project Manager
Dumaria, Gaya (EX BPM Dagarua, Purnea)

Subject: show cause notice for committing various financial irregularities including defalcation other frauds

A report had been received from the DPM Purnea informing that

1. When you were the BPM Dagarua in Purnea District, instances of fraud took place in Bank linkages disbursement in UBGB Barsouni Branch. A team of DPCU Purnea investigated the matter and found the allegations true.
   Some of the CMs and Book Keepers had also been present during the investigation.
   The team found that:
2. From CM Rajina, Rs. 350000/- taken from Khigjesh SHG, from Jayguru SHG Rs.280000, from the Kalam SHG Rs. 190000/-, from Janta SHG Rs.190000/-, from Bismillah SHG Rs 190000/-, from Pahila Kalima SHG Rs.190000/-, total Rs. 1390000/- disbursement happened in these 6 SHGs out of that Rs.2,90,000/- was given to concerned SHG didis rest Rs11 lakh were given to goatry vendor Hiralal under direction given by you Mr. Sumit Kumar.
3. Likewise from the CM Uma Devi's 3 SHGs Rs. 285000/-, from CM Rubi Devi's 4 SHGs a total Rs.400000/-, from CM Sadhana's 3 SHGs total of Rs. 285000/-, from CM Lakshmi's 3 SHGs Rs.285000/- were taken from the bank disbursement from the mentioned Bank Branch. From Arjuns (Bookeeper) Durga and Amar VO Rs.95000/- were taken and from under these VOs Rs.4,85,000/- amount were taken from 5 SHGs and given to goat vendor Hiralal under the direction given by you Sumit Kumar.
4. As per the discussion with 5 CMs and one BK a total of Rs. 29,35,000/- was disbursed from UBGB Barsouni Branch and given to Hiralal on your instruction. During the discussion it was also found that in Mahi, Prachi and Sargam, Anchal Goat Producer Group (PG), 100% goat supplied by the mentioned Goatary vendor Hiralal which is against the policy. All the transaction mentioned above took place during August 2020 to December 2020 when you were the BPM Dagarua.
5. Previously also you had been involved in Gross irregularity in Poultry intervention in 2017, procurement of mobile in goat PG 2019 and vehicle hiring.
   Since you were putting obstacles in free& fair inquiry in the above matter, DPM Purnea wrote on 22.02.2021 that unless you were transferred from Purnea District to some other distrist , free & fair inquiry could not be possible. Therefore you had been transferred to Gaya but information of huge amount of defalcation of your tenure is still coming. It is directed to you to show cause as to why your service contract with BRLPS not be terminated and criminal

action not be taken against you. Your reply explaining every allegation must reach BRLPS in 7 days.

6. In the meanwhile you are directed to go on LWP with immediate effect.
7. It is also directed that you appear before the CEO, BRLPS for personal hearing on 9.08.2021 at 1:30 pm.

By the Order of CEO

20.07.2021

Kumar Anshumaly
Director

Copy to:-

1. Director/OSD/CFO/AO
2. The DPM Gaya for serving this mail upon Mr Sumit Kumar, BPM Gaya (Ex BPM, Dagarua, Purnea) and inform
3. DPM Purnea to send the enquiry report without delay to SPMU
4. Concerned files

अनुलग्नक -7

To,

The Director

Bihar Rural Livelihood Promotion Society

Subject: Regarding submission of revised enquiry report related to Dagarua block,Purnia.

Sir,

As directed, the committee (consisting of Mr. Sikendra Kumar, AFM , Mr. Satish Kumar, PM-CI & Mr. Rajeev Kumar, PM-CF) visited Purnia from 28th June to 30th June' 2022 again and a revised enquiry report is being submitted with this letter (regarding illegal withdrawal of SHG & VO fund for Goatery intervention in Dagarua block).

Along with our revised report, we are submitting written statements of Community Mobilisors, Book Keeper and staffs, who were placed there at the time of intervention in original copies. Apart from statements from above mentioned cadres and staffs, copies of some old reports by District team related to Mr. Sumit Kumar are also attached. We are also submitting soft copy of all reports, minutes, video statements of Cadres, recording of meeting with Cadres and community members, voice recording of interaction by BPM Sumit Kumar with Community Mobilisor Razina Begam and Vendor Hiralal Mandal in Pen drive as evidences.

Yours faithfully

Rajeev 04/7/22

Rajeev Kumar

PM-CF

(Member of enquiry committee related to Dagarua Block in Purnia District)

Enclosure:- Revised enquiry report with annexure (original statements of CM,BK & staffs & pen drive.

Annex- 1

Updated Enquiry Report by State Team during visit of Dagarua Block of Purnea District

As per direction of Director, BRLPS, the committee consisting of Mr. Sikendra Kumar (AFM), Mr. Rajeev Kumar (PM-CF) and Mr. Satish kumar (PM-CI) again visited Purnea. This visit was for revisiting/ making update of reported alleged financial mismanagement of Rs. 46,57,000/- from 37 SHGs with conspiracy of then BPM Dagarua Mr. Sumit Kumar, related to Goatry intervention. The Team reached DPCU Purnia on 28th June'2022 and visited Dagarua Block again. Due to heavy rain, team visited DPCU Purnia and BPIU Dagarua only and took updates of recovery from related SHGs, where fund get withdrawn illegally from SHGs Bank Linkage fund and few Village Organizations (through transfer to SHGs). The State team also chalked out program for next day, i.e. 29th June'2022 for arrangement of meeting with community members.

On 29th June'22, The Committee visited Harkheli Panchayat at 10.00 AM and interacted with members of 4 SHGs (Sri Ram, Janki, Bajrangi & Maa Santoshi) where Community Mobilisors Uma Devi & Koshi Devi were looking after as Community Mobilisor. Book Keeper Mr. Arjun Rishi was also present there. The Team interacted with community members, community Mobilizors and Book Keeper about whole incident. The proceeding was minutised and also video recorded with the consent of Community members.

At 12.00 PM, committee visited Chandbhathi village of Harkheli Panchayat of Dagarua Block and interacted with 4 SHGs members (Pahla Kalima, Bismillah, Janta & Kalam) looking after by community Mobilisor Razina Begam, 4 SHGs members(Shama, Nargis, Rani & Yasmin) looking after by Community Mobilisor Daraksa Khatoon and with 2 SHG members(Khushiya & Sartaz) of Community Mobilizors Sumera Khatoon.

At 3.00 PM, committee visited Kochaili Dagarua village of Rampur Panchayat of Dagarua Block and interacted with 4 SHGs member (Ansh, Anshu, Anchal & Diya) looking after by Community Mobilsor Rubi Devi and 3 SHGs (Soni, Nidhi & Puja) looking after by Community Mobilisor Lakshmi Devi).

At 4.00 PM, committee visited same village of Rampur Panchayat of Dagarua Block and interacted with 3 SHGs member (Karuna, Soni, & Doli) looking after by Community Mobilzor Sadhna Devi.

After interaction with so many SHG members, different CMs and OB members, the committee comes to the conclusion again that then BPM Mr. Sumit Kumar has worked against integrity and values of the Project. Due to his doubtful behavior, Project stopped Goatrey intervention after phase 1 and 2 in Dagarua Block. However, in phase 4 when big target for Goat PG again came to Dagarua Block, he made supply of Goats to PG members with help of a vendor **Hiralal Mandal**. He selected primary areas for supply through vendors, where CCs (Ms. Ranajana kumari and Ms. Fekani Kumari) were not very active and could not oppose his plan. Mr. Sumit Kumar used to visit PGs/members after formal orientation of members by Livestock Manager, YP-LS and other staffs and convinced the members that they have not to buy Goats by

Satish kumar 01/07/2022 07/07/22 01/7/22

member's own money but will be supplied by Mr. Hiralal Mandal. Mr. Hiralal Mandal was a vendor who was also involved in poultry related activities earlier, which was suspicious. It was convinced to members that after payment from PG, members will return money to Vendor as price for Goat. Didis got ready for it after orientation by then BPM Mr. Sumit Kumar. Committee has observation that the Policy has some issues and if members had been provided even 50% of money as advance, they would certainly procure Goats themselves, as per requirement.

Since BPM and Hiralal Mandal (Vendor) also didn't have sufficient amount for making supply of Goats to SHG/PG members, he approached a Community Mobilisor Ms. Razina Khatun, where no Goat intervention was scheduled. Ms. Razina Khatoon (Begam) was also in need of money and BPM convinced her that if she supports him (Mr. Sumit Kumar), he will provide some money to Razina khatun also for her own requirement. He demanded Rs. 10 Lakhs from her but their SHGs had not such money in their account. BPM assured her that Bank Linkage will be done of her 6 SHGs, so that she may withdraw amount from there. ***For this he specially mailed then UBGB Barsauni Branch Manager for Linkage of these 6 SHGs on 18th August'20, and withdrawal made by 20th August'20, which shows involvement of both BPM Sumit Kumar and Branch Manager,UBGB Barsauni.*** Ms. Razina Khatun also convinced some OB members of SHGs with whom she was working and withdraw approx 13,90,000/- (Thirteen Lakhs Ninety Thousands only) from 6 SHGs on 20.08.2020. Out of this Rs. 13.90 Lakhs, she paid Rs. 3.90 Lakhs to her mother, mother in law and herself as loan to SHG members and given Rs. 10 Lakhs to Hiralal Mandal on instruction of then BPM Mr. Sumit Kumar. Mr. Sumit Kumar assured Ms. Razina Khatun that he will return money in 6 days, once payment from Goat supply realized from members, after fund transfer from PG to members. We have received audio clips regarding Ms. Razina Khatoon(Begam) demand from BPM for money given to Hiralal Mandal, which clearly shows then BPMs involvement in this conspiracy.

After arranging Fund from Ms. Razina Khatun (Begam), both BPM and vendor started to supply Goats to members with the help of Community Mobilisors. After supply of Goats, BPM intimated LS Manager for verification of Goats in Goat Haat. Goat haats were arranged from 24th of August in different PGs. During Goat Haat, some Goats were got rejected in verification process by Livestock Team and members were told to procure another healthy Goats. Then community members started to tell that Goats has been supplied by project (Jeevika) itself then why Goats are being rejected. However verification process had been continuously carried on by the team.

In the meanwhile, may be due to pressure of Goat suppliers, BPM convinced other Community Mobilsors (where Goat intervention was scheduled and Goats were supplied by Vendor) to withdraw money from SHGs and make payment to Hiralal Mandal. As per consistent instruction from then BPM Sumit Kumar, other 8 CMs were also facilitated OB members of different SHGs to withdraw money and make payment to Hiralal Mandal (vendor) for payment of Goat supply.

Satish Kumar 01/07/2022   01/07/22   01/7/22

Approx Rs. 32.67 Lakhs were withdrawn from 31 SHGs, which were either Bank Credit Linkage amount or VO general Loan amount which was paid (Rs. 29.35 Lakhs) to Hiralal and rest amount Rs.3.32 Lakhs were distributed to either member or CM. ***Here Committee observed that mostly OB members of SHGs were selected as beneficiaries (who are also signatories in SHGs), so that amount can be withdrawn easily.***

Manager LS Mr. Rajesh Kumar Singh complained DPM Purnia regarding involvement of Vendors on 21.09.2021 and a District Level Committee constituted for detailed Inquiry. District Level Inquiry Committee also found involvement of BPM in supply of Goat by Vendor and involvement of BPM in illegal withdrawal of money from SHGs.

On 30th June'2022, committee interacted with staffs who were posted in Dagarua at the time of intervention like Ms. Fekni Kumari, Ms. Ranjana Kumari, Ms. Nishi Kumari (all Community co-ordinator), Mr. Vikas Kumar Viyogi (then Area Coordinator) and Ms. Pramila Devi (Bank Mitra, UBGB Barsauni). All have given written/video statements that then BPM Mr. Sumit Kumar influenced Cadres to supply Goats through Vendor as well as withdraw money from Bank for unauthorized payment to Hiralal Mandal. All written statements have been attached as evidence for needful action.

Committee observes that due to peer pressure, one Community Mobiliser Ms. Razina Khatoon returned money of Rs.10 Lakhs to concerned 6 SHGs. Similarly some members, who were provided DBT (direct benefit transfer) from Goat PG have also returned money to different SHGs. Approx Rs. 10.17 was returned by other members, which were deposited in concerned SHG's Bank account, and the same is supported by statement of Community Mobilisors(attached). Approx Rs. 19.17 Lakhs amount is still not deposited out of Rs.39.35 Lakhs amount given to Hiralal Mandal, Vendor.

Since Committee took various evidence like meeting minutes, written statement of Community Mobilisors who were forced by BPM to withdraw money from Bank Linkage amount, Book Keeper and video recordings of meeting organized by the committee. All these evidences have been attached with report or kept in pen drive for further needful action. One Audio clip where Hiralal Mandal interacts with BPM Sumit Kumar regarding financial transaction also establishes the fact that they were involved in Goat supply jointly. This is also attached with report.

These all evidences have been attached as annexure "A", where details of individual Community Mobilizor's verbal statement, video clips etc. has been annexed. Apart from evidences collected by State level committee, evidences collected by District level enquiry committee have been also attached, as these are also conclusive evidence.

On the basis of our field visit, we have followings observation with respect to incident happened in Dagarua Block:-

1. Mr. Sumit Kumar, then BPM of Dagarua was completely involved in supply of Goats against guidelines of Goat intervention. He was also involved in illegal withdrawal of

Satish Kumar 01/07/2022

01/07/22

01/7/22

Bank Linkage amount and VO General Loan amount from 37 SHGs. He influenced his power as Block Project Manager and convinced related CMs to withdraw amount from SHGs and make payment to Hiralal Mandal, Vendor.

He is a habitual offender and was also involved in Poultry intervention related financial indiscipline in 2017-18. A state level committee consisting of **SPM-CF, SPM-LS, Procurement Officer and SFM-DDUGKY** also found (in September 2018) dereliction in conducting his duties as well as involvement in financial irregularity and recommended action against him, however no action has been taken against him. If action would have been taken against him just after previous state level inquiry, further Goatry related mismanagement could have been avoided.

2. Then Branch Manager of UBGB Barsauni (Mr.Nishant Kaushal) also seems to be involved in collusion with BPM in illegal withdrawal of amount from SHG Bank Linkage account. A petition from SHG members of Ganesh SHG given to CEO, BRLPS for illegal withdrawal of amount from Account. The committee visited that SHG (in November'2021) and also verified signature of OB members on withdrawal slip of Ganesh SHG before members and found only one signature is matched. It looks few members have not visited Branch and CM get signature on withdrawal slip by one of the member and get encashed without visit to Branch. It is also evident that one time Rs.3.50 Lakhs withdrawal has been made from Ganesh SHG, where there is no other case of such big disbursement in UBGB.
3. Community Coordinator Ms. Ranjana Kumari has been informed by community member during Goat haat that Goats have been supplied by Hiralal Mandal (Vendor) against guidelines but she didn't informed it to higher authorities like M-LS and DPM. However she admitted during District level committee visit that Goats have been supplied by Vendor with help of then BPM Sumit Kumar. However team did not get any feedback from community members that she was involved in making supply of Goats.
4. Community Coordinator Ms. Fekani Kumari admitted before State level team that approx 37 members out of 40 members in one PG were supplied Goats by the Vendor. However she has not admitted it at the time of District level inquiry and tried to make miscommunication before team. She has also not informed any of the senior people about BPM's act of making supply. DPM Purnia also called her after District Review committees visit to know exact case of supply but she denied altogether about the case.
5. Ms. Razina Khatun, Community Mobilisor, also admitted that she had provided Rs.10 Lakhs to Hiralal on instruction of BPM and distributed Rs. 3.90 Lakhs to her mother, mother in law and herself. However due to peer pressure of community members and local person, she has returned most of the money in the account of SHGs from her own sources. She also provided audio clips of interaction with BPM, Mr. Sumit Kumar, where he was consoling her that amount will be returned back soon.

Satish kumar
01/07/2022

01/07/22

01/7/22

6. Other CMs like Uma Devi, Rubi Devi, Daraksa Pravin, Sumera, Koshi Devi, Sadhna, Lakhsmi Devi etc. have also admitted that they were worked on instruction of BPM and helped in making supply of Goats as well as withdrawal of Fund from SHGs and hand over it to Hiralal Mandal, vendor.
7. Mr. Rajesh Kumar Singh, M-Live Stock, Purnia was also aware about the previous track record of BPM Dagarua, Mr. Sumit Kumar, due to previous Poultry related financial mismanagement in same Block. He has tried to avoid 3rd phase Goatry intervention in Dagarua but after receiving a big target of 31 PGs in 4th phase, again 23 PGs were distributed in Dagarua Block. He should have more cautious while making implementation of Goat intervention. He has been informed by community members during Goat Haat (24-26 August'20), when Goats were rejected due to non compliance, that Goats have been supplied by Vendor/BPM but he has informed it on 21st September'20, almost one month after being informed. He was mentor of the Dagarua Block and visited regularly for Goat PG intervention but failed to identify and inform the issue well in time.
8. YP-Live Stock Mr. Kumar Saurabh also deputed in Dagarua for looking after Livestock intervention from June'20 to December'20 but he failed to identify such mismanagement at field level. When BPM was convincing members for supply of Goats, he was also present at field level, which shows his gross negligence towards his duties.
9. DPM Purnia was also aware of previous track record of BPM Dagarua, Mr. Sumit Kumar and avoided 3rd phase of Goatry intervention in that Block. However after receiving a big target of 31 PGs in 4th phase, again 23 PGs were distributed in Dagarua Block. He should be more cautious while making implementation of Goat PG in Dagarua Block and should have more visits to avoid the situation.

Based on above fact found by the State level committee, following recommendations are given:-

1. Mr. Sumit Kumar, then BPM Dagarua (presently on Leave without Pay) has continuously worked against Project guidelines and integrity. His services should be immediately terminated from the BRLPS. Project should file FIR against him for recovery of rest of money not realized.
2. Ms. Ranjana Kumari, CC, Dagarua, however not directly involved in supply of Goats but not informed higher authorities. Her one annual increment should be suspended and a warning letter should be given so that similar incident will not happen in her field again.
3. Ms. Fekni Kumari, CC, Dagarua, not only hides the facts before District level committee but also not informed the facts before higher authorities. She should have been given a warning letter to not repeat such behavior in future. Her Performance incentive for the FY 2020-21 should be confiscated and one annual increment should be suspended.

Satish Kumar 01/07/2022 [signature] 01/07/22 [signature] 01/7/22.

4. Project should give a letter to Chairman UBGB for further inquiry from HO against then Branch Manager, UBGB Barsauni Branch. List of all 33 SHGs where amount has been withdrawn by CMs with help of BPM should be verified that due processes have been completed or not and amount disbursed according to due protocol or not. Even credit linkages in these 33 SHGs are done according to due protocol or not should be enquired into by UBGB and proper action should be taken.
5. All CMs /BKs of related SHGs/VOs should be replaced by another suitable members and Office Bearer should also be replaced. District and Block team should be given a timeline of 3 months to replace CMs and OBs.
6. Mr. Rajesh Kumar Singh, M-LS, Purnia should be asked a show cause for not informing DPM timely for involvement of Vendor in Goat supply. Being a Block Mentor, he failed in performing his duties.
7. Mr. Kumar Saurabh, YP-LS, should also be asked show cause for negligence in performing duty and failing in identification of issues timely. His one increment should be suspended and a warning letter should be issued.
8. Mr. Sunirmal Garain, DPM Purnia should also be given warning letter for selection of intervention and monitoring in more cautious way. He should also file FIR against Hiralal Mandal or facilitate it through SHG members and CMs.
9. Project should look into Policy of Goat PG and minimum 50% of amount should be transferred before verification process.

01/7/22	Satish Kumar 01/07/2022	01/07/22
Rajeev Kumar	Satish Kumar	Sikendra Kumar
PM-CF	PM-CI	AFM

Date:- 01/07/2022

Annx - 2

Details of evidences in soft copy in Dagarua Case

INDEX

Sl. No.	Particulars	Ref. No.
1	All 37 SHG and 3 VO Bank statement	1
2	Video Statement of BK Arjun	2, 3
3	Video Statement of CC Ranjana	4
4	Audio of CM anjali & OB Raju	5
5	Video Statement of CM Darksa	6
6	Video Statement of CM Rajina	7, 8
7	Video Statement of CM Rubi and CM Laxmi	9
8	Video Statement of CM Sadhna	10, 11, 12
9	Video Statement of CM Uma	13, 14, 15
10	Audio of Heera Lal & BPM Sumit Kumar	16
11	Video Statement of Heera Lal	17
12	Minutes of Karuna SHG (CM-Sadhna)	18
13	Mail Copy from Sumit to UBGB Barsoni	19
14	Photo of SHG - CM Uma	20
15	Audio of CM Rajina & BPM Sumit Kumar	21, 22
16	Rubi CM SHGs minutes	23
17	Sadhna CM SHGs minutes	24
18	Video Statement of SHG Members -CM Daraksha	25, 26, 27, 46
19	Video Statement of SHG Members -CM Rajina	28, 29, 30, 31, 32
20	Video Statement of SHG Members -CM Rubi and CM Laxmi	33, 35
21	Video Statement of SHG Members -CM Rubi and CM Laxmi for FINO Bank	34
22	Video Statement of SHG Members -CM Sadhnaa	36, 37
23	Video Statement of SHG Members -CM Sumera	38, 39, 45
24	Video Statement of SHG Members -CM Uma	40, 41, 42, 43
25	Video Statement of SHG members of CM Daraksha Sumera Rajina for Acceptance recording	44
26	Loan disbursement & Recovery details	47
27	Uma CM SHGs minutes	48
28	Written Statement of Razina, CM with original Copy Page 1 & 2	49
29	Written Statement of Sumera, CM " " " Page 26, 27	50
30	Written Statement of Daraksha, CM " " Page 25, 26, 27	51
31	Written Statement of Arjun Rishi, BK " " Page 53, 54	52
32	Written Statement of Sadhna, CM " " Page 79, 80, 81	53
33	Written Statement of Lakshmi, CM " " Page 93, 94	54
34	Written Statement of Rubi, CM " " Page 105, 106	55
35	Written Statement of Koshi, CM " " Page 134, 135	56
36	Written Statement of Ranjana Kumari, CC " " Page 153, 154	57
37	Written Statement of Fekni Kumari, CC " " Page 155	58
38	Written Statement of Nishi Kumari, CC " " Page 156	59
39	Written Statement of Vikas Kumar Viyogi, AC " " Page 157, 158	60
40	Written Statement of Kumar Saurabh, AC " " Page 159, 166	61
41	Video Statement of Bank Mitra-Pramila Devi	62
42	Old Videos by District Team	63
43	Other District Reports related to Sumit Kumar total 97 Pages	Hard Copy
44	written statement of Uma Devi, CM Page 65, 66, 67	

Satish kumar 01/07/2022

01/07/22

01/7/22

Goat Intervention के लिए अवैध रूप से UBGB बसौनी से बैंक लिंकेज निकासी का विवरण

	समूह का नाम	पंचायत का नाम	सम्बंधित CM का नाम	समूह का ऋण खाता संख्या	निकासी का दिनांक	कुल निकासी	हीरा लाल को दी गयी राशि	समूह / CM के पास	वापसी (As on 28-06-2022)	शेष राशि	Remarks	Bank Statement Mark
1	गणेश SHG	हर्खौली	रजिया बेगम	1080091330007093	8.20.2020	350,000	350,000	-	350,000	-		C1
2	जय गुरु SHG			1080091330007062	8.20.2020	280,000	280,000	-	280,000	-		C2
3	पहिला कलिमा SHG			1080091330002418	8.20.2020	190,000	100,000	90,000	100,000	-		C3
4	कलाम SHG			1080091330002265	8.20.2020	190,000	100,000	90,000	100,000	-		C4
5	जन्नत SHG			1080091330002289	8.20.2020	190,000	70,000	120,000	70,000	-		C5
6	बिस्मिल्लाह SHG			1080091330007017	8.20.2020	190,000	100,000	90,000	100,000	-		C6
7	खुशिया SHG	हर्खौली	सुमेरा खातुन	1080091330008618	8.31.2020	95,000	90,000	5,000	58,500	31,500		C7
8	महताज SHG			1080091330002302	8.29.2020	150,000	135,000	15,000	36,900	98,100		C8
9	समा SHG	हर्खौली	दरक्षा परवीन	1080091330002548	8.31.2020	152,000	110,000	42,000	18,000	92,000		C9
10	रानी SHG			1080091330002630	8.31.2020	150,000	110,000	40,000	24,000	86,000		C10
11	नदीम SHG			1080091330002562	8.29.2020	140,000	130,000	10,000	48,500	81,500		C11
12	दस्तगिर SHG			1080091330002616	10.27.2020	90,000	90,000	-	7,000	83,000		C12
13	मक्की SHG	हर्खौली	कांती देवी	1080091330008731	9.21.2020	95,000	95,000	-	31,000	64,000		C13
14	अभ्ये SHG			1080091330008724	9.21.2020	95,000	95,000	-	40,000	55,000		C14
15	शिव SHG			1080091330008717	9.21.2020	95,000	95,000	-	29,000	66,000		C15
16	जीवनसाथी SHG			1080091330002074	7.2.2020	150,000	150,000	-	68,000	82,000		C16
17	महादेव SHG			1080091330002685	7.2.2020	150,000	150,000	-	64,700	85,300		C17
18	श्री राम SHG	हर्खौली	उमा देवी	1080091330008687	9.19.2020	95,000	95,000	-	58,500	36,500		C18
19	बजरंगी SHG			1080091330008670	9.19.2020	95,000	95,000	-	66,650	28,350		C19
20	जानकी SHG			1080091330008694	9.19.2020	95,000	85,000	10,000	95,000	-		C20
21	कमला SHG	रामपुर	माधना देवी	1080091330008700	9.19.2020	95,000	95,000	50,000	39,900	45,100		C21
22	[illegible] SHG			1080091330006621	9.10.2020	150,000	100,000	50,000	40,000	60,000		C22
23	मंदी SHG			1080091330006713	9.10.2020	150,000	100,000	-	49,000	51,000		C23
24	मंजी SHG	रामपुर	लक्ष्मी देवी	1080091330008649	8.29.2020	95,000	95,000	-	28,400	66,600		C24
25	निधि SHG			1080091330008632	8.29.2020	95,000	95,000	-	34,200	60,800		C25
26	पूजा SHG			1080091330008625	8.29.2020	95,000	95,000	-	18,000	77,000		C26
27	आँचल SHG	रामपुर	रूबी देवी	1080091330001486	9.4.2020	120,000	120,000	-	27,200	92,800		C27
28	अंश SHG			1080091330007673	9.4.2020	80,000	80,000	20,000	23,000	57,000		C28
29	आस्था SHG			1080091330002883	9.8.2020	100,000	80,000	90,000	31,000	49,000		C29
30	दीप SHG			1080091330003583	9.4.2020	200,000	110,000	-	29,200	80,800		C30
31	रिया SHG			1080091330008113	9.16.2020	80,000	80,000	-	31,000	49,000		C31
32	राहुल SHG			1080091330003569	10.6.2020	100,000	100,000	-	10,000	90,000		C32
33	अंशु SHG			1080091330006720	9.4.2020	120,000	120,000	-	10,500	109,500		C33
34	अमर VO	हर्खौली	अर्जुन ऋषि (BK)	1080091030014824	10.7.2020	50,000	50,000	SHG Ma santoshi	-	50,000	सामान्य ऋण की राशि बचत खाते से निकासी	C34
35	दुर्गा VO			1080091030009479	12.30.2020	40,000	40,000	SHG GURUMAHADEO	-	40,000		C35
36	बिस्मिल्लाह VO			1080091030015890	30-07-20, 27-10-20	50,000	50,000	SHG Yasmin, TARA	-	50,000		C36
	Total					4,657,000	3,935,000	722,000	2,017,150	1,917,850		

अनु०-क-8

(936)

JEEViKA

An Initiative of Government of Bihar for Poverty Alleviation

Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
State Rural Livelihoods Mission, Bihar

1st Floor, Vidyut Bhawan - II, Bailey Road, Patna- 800 021; Ph:+91-612-250 4980; Fax:+91-612-250 4960, Website:www.brlp.in

Ref NO:- BRLPS/E&A-HR/1645/19/VOL-III/3317

Date- 16.09.22

कारण बताओ नोटिस

राज्य स्तरीय जाँच समिति की रिपोर्ट के अनुसार, गोट इंटरवेन्सन के तहत प्रोड्यूसर ग्रुप बना कर पी०जी० के मेंबर को बकरी की खरीदारी पी०जी० पॉलीसी के तहत करनी थी और उसके बाद परियोजना से उन्हें अदायगी होनी थी लेकिन इस केस में आपके द्वारा प्रोड्यूसर ग्रुप के सदस्यों को यह बताया गया कि वे लोग किसी वेंडर विशेष के माध्यम से बकरी का खरीदारी करें तथा एक वेंडर हीरालाल मंडल जो पूर्व में भी पॉल्ट्री पी०जी० को मुर्गी सप्लाई किया था, उसी वेंडर से बकरी का खरीदने को कहा गया।

तदोपरांत आप सी०एम० रजिया खातून यह समझाने में सफल हुए कि हीरालाल मंडल को पैसे से मदद की जाये। तदनुसार, आपके द्वारा रजिया खातून से 10 लाख की मांग की गयी किन्तु उनके द्वारा देखे जा रहे समूह में उतना पैसा नहीं था। आपने यह आश्वासन दिया कि रजिया खातून के द्वारा देखे जा रहे 6 समूह का बैंक लिंकेज कर दिया जाएगा। ताकि उन समूहों से पैसे की निकासी की जा सके। इसके लिए आपके द्वारा यू०बी०जी०बी, बरसौनी के ब्रांच मैनेजर को 18.08. 2020 को बैंक लिंकेज के लिए मेल किया गया। तदनुसार, 6 एस०एच०जी० का बैंक लिंकेज हो गया और दिनांक – 20.08.2020 को यू०बी०जी०बी, बरसौनी से पैसे की निकासी कर ली गई। रजिया खातून के द्वारा कुछ एस०एच०जी० के ओ०बी० मेंबर्स को भी समझा बुझा कर तकरीबन 13. 90 लाख रूपये की निकासी की गई। उसमें से रूपये 3,90,000/– रजिया खातून द्वारा अपने और एस०एच०जी० मेंबर्स में बंदरबाट कर लिया गया। तथा 10 लाख रूपये हीरलाल मंडल को आपके कहने पर दे दिया। आपने रजिया खातून को यह आश्वस्त किया कि ये पैसा 6 दिनों के अंदर वापस कर दिया जाएगा। वेंडर के द्वारा बकरी सप्लाई होने के बाद पी०जी० से मेंबर्स को पैसा चला जाएगा। इस तथ्य को साबित करने के लिए राज्य स्तरीय जाँच समिति द्वारा रजिया खातून और बी०पी०एम० के बीच बातचीत को ऑडियो क्लिप भी मौजूद है। इस तरह आपने कम्यूनिटी के पैसे से ही दीदीयों को बकरी मुहैया करवाई एवं जान बूझ कर उपरोक्त वेंडर को वित्तीय लाभ पहुंचाया।

पैसा मिलने के बाद आप वेंडर के साथ मिल कर बकरी की सप्लाई सदस्यों को करने लगे। बकरी सप्लाई के बाद आपने मैनेजर लाइवस्टोक को बकरी हाट में बकरी का सत्यापन के लिए जानकारी दी। बकरी हाट की व्यवस्था 24.08.2020 को अलग अलग पी०जी० में की गई। बकरी हाट में लाइवस्टोक टीम के द्वारा कुछ बकरी को रिजेक्ट किया गया और सदस्यों को कहा गया कि दूसरा बकरी खरीदें। इस बात पर मेंबर्स द्वारा कहा गया कि बकरी का सप्लाई जीविका से ही हुआ है ऐसी स्थिति में बकरी का रिजेक्शन क्यों हो रहा है।

उसी दौरान वेंडर के दबाव के कारण आपने सी०एम० को एस०एच०जी० से पैसा निकालने के लिए तैयार किया। बार बार आपके द्वारा 08 अन्य सी०एम० की मदद से अलग अलग एस०एच०जी० के ओ०बी० मेंबर्स को भी एस०एच०जी० से पैसा निकालने के लिए तैयार किया गया ताकि बकरी सप्लाई करने वाले वेंडर को और पैसा दिया जा सके। तत्पश्चात 31 समूहों से 32.67 लाख निकासी की गई जो कि बैंक क्रेडिट लिंकेज और वी०ओ० के जेनरल लोन को पैसा था, उसमें से 29.35 लाख वेंडर को दे दिया गया । बाकि 3.32 लाख सी०एम० तथा समूहों के सदस्यों में बाँट दिया गया। समिति के द्वारा यह भी पाया गया कि बकरी इंटरवेंशन में चुने गये ज्यादातर लाभार्थी एस०एच०जी० के ओ०बी० मेंबर थे ताकि पैसे की निकासी आसानी से हो सके।

आनंद शंकर

235

इसके बाद जाँच के लिए जिला स्तरीय कमिटी बनाई गई जिसमें आपकी संलिप्तता गलत तरीके से एस0एच0जी0 की पैसा निकासी में भी पाई गई।

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर यह स्पष्ट है कि आपने सुनियोजित तरीके से एक खास वेंडर को लाभ पहुंचाया एवं सामुदायिक निधि का जान–बूझ कर अपने फायदे के लिए दुरूपयोग किया।

अतः आपको यह निर्देशित किया जाता है कि पत्र प्राप्ती के सात दिनों के अंदर अपना स्पष्टीकरण राज्य कार्यालय को प्रेषित करें। जवाब नहीं देने की स्थिति में यह समझा जाएगा कि आपको अपने बचाव में कुछ नहीं कहना है तथा परियोजना के नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आनंद शंकर 11/1/22

(आनंद शंकर)
राज्य परियोजना प्रबंधक – मा0सं0वि0

श्री सुमित कुमार,
प्रखंड परियोजना प्रबंधक,
प्रखंड – डगरूआ, पूर्णिया
प्रतिलिपि

1. निदेशक
2. जिला परियोजना प्रबंधक – पूर्णियाँ
3. एच0आर0मैनेजर – पूर्णियाँ
4. संबंधित संचिकाएं

Gmail

Bhawana Sinha <bhawanasinha078@gmail.com>

Regarding Justification about Show-Cause Notice_Sumit Kumar_BPM_Dagarua_Purnia (Attachment Evidences Encl. 1 to 7)

2 messages

Sumit Kumar <sumitjeevika@gmail.com> Mon, Oct 17, 2022 at 10:53 AM
To: Anand Shankar <anandbrlpin@gmail.com>, bhawanasinha078@gmail.com
Cc: Kumar Anshumaly <director@brlps.in>, spm hrd <spm.hrd@brlps.in>, Sunirmal Garain <dpm_purnea@brlps.in>, VEENA KUMARI <hr_purnea@brlp.in>

Respected Sir and Mam,
Please find the Justification Letter and related important evidence attachments regarding justification and please consider .

On Fri, Oct 14, 2022 at 4:49 PM Bhawana Sinha <bhawanasinha078@gmail.com> wrote:

> ---------- Forwarded message ---------
> From: Bhawana Sinha <bhawanasinha078@gmail.com>
> Date: Fri, Sep 16, 2022 at 6:00 PM
> Subject: Show-Cause Notice_Sumit Kumar_BPM_Dagarua_Purnia
> To: <sumitjeevika@gmail.com>
> Cc: <dpm_purnia@brlps.in>, <hr_purnia@brlp.in>, Cc: <anandbrlpin@gmail.com>, director <director@brlps.in>
>
> Dear Sir,
>
> Please find enclosed herewith the Show-Cause Notice issued to you from SPMU to explain within 7 days.
>
> Thanks
>
> Bhawana
> Assistant - HR
> SPMU

--
With Regards:-

Sumit Kumar
(Block Project Manager)
BRLPS, Jeevika
Block- Dumaria BPIU,
District-Gaya
BIHAR

8 attachments

Justification of Show Cause regarding Letter No 3317, Date 16.09.22.pdf
2876K

अनुलग्नक 1.pdf
66K

अनुलग्नक 2.pdf
1647K

सेवा में ,

राज्य परियोजना प्रबंधक महोदय,

मानव संसाधन विभाग,

जीविका, पटना

विषय- स्पष्टीकरण के प्रत्युत्तर के सम्बन्ध में

महाशय ,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में निवेदन पूर्वक कहना है की दिनांक 14-10-2022 को मुझे आपके द्वारा टेलीफोनिक वार्तालाप के बाद एक स्पष्टीकरण पत्रांक BRLPS/ Esst- HR/ 1645/19/Vol-3/ 3317, दिनांक- 16.09.2022 प्राप्त हुआ है, जिसका स्पष्टीकरण में निहित आरोपों के खंडन के संबंध में संलग्न साक्ष्य सहित बिंदुवार प्रत्युत्तर निम्न हैं :-

राज्य स्तरीय जांच समिति प्रतिवेदन के अनुसार आरोप है कि मेरे द्वारा बकरी PG के सदस्यों को बकरी PG पॉलिसी के विरुद्ध बताया गया था कि उन्हें वेंडर विशेष के माध्यम से बकरी का खरीददारी करनी है। जो कि बिल्कुल ही मनगढ़ंत और गलत आरोप है। इस संबंध में कहना है कि डगरुआ प्रखंड में SPMU ऑफिस आर्डर 3762, दिनांक-12-12-2019 के आलोक में दिनांक 13-12-2019 को DPCU पुर्णिया में एक विशेष बैठक आयोजन के दौरान DPM सर और पशुपालन प्रबंधक सह डगरुआ मेंटर महोदय, पुर्णिया के निर्देशानुसार डगरुआ में 23 बकरी PG निर्माण का लक्ष्य दिया गया था। (अनुलग्नक- 1)

तत्पश्चात डगरुआ प्रखंड में बकरी पालन संबंधित राज्य स्तरीय 4 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण ,2019 मे प्राप्त 4 CC के 7 पंचायतों में 23 बकरी PG का निर्माण As per Goat PG Policy किया गया था।सभी 23 बकरी PG के निर्माण , बैठकों आदि में प्रखंड के संबंधित CC, YP Livestock डगरुआ, स्वयं मेरी और पशुपालन प्रबंधक महोदय सह प्रखंड डगरुआ मेंटर डॉ राजेश कुमार सिंह सर के द्वारा बकरी PG के सभी सदस्यों, संबंधित CM, पशुसखियों को पॉलीसी के अनुसार बकरी स्वयं से खरीददारी और पॉलीसी की विस्तृत जानकारी भी दी गयी थी । (अनुलग्नक-2)

बकरी खरीददारी से संबंधित सभी CC द्वारा दैनिक प्रतिवेदन हेतु Daily Reporting Goatry नामक ग्रुप भी व्हाट्सएप पर सक्रिय था जिसमे उपरोक्त सभी जीविका कर्मी थे और प्रतिदिन शाम में सभी CC द्वारा उनके पंचायत में उस दिन दीदियों के द्वारा खरीद की गई बकरियों का प्रतिवेदन समर्पित होता था। (अनुलग्नक- 3)

इसके अलावा 23 PG के इंटरवेंशन के समय कई बार DPM सर पुर्णिया के द्वारा भी प्रखंड मेंटर सह पशुपालन प्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में लगातार सभी बकरी PG के सदस्यों, पशुसखियों, उपरोक्त सभी कर्मियों के साथ PG के दीदियों के द्वारा बकरी खरीददारी की साप्ताहिक समीक्षा टेलीफोनिक कॉन्फ्रेंस कॉल द्वारा भी की जा रही थी।जिसमें सभी दीदियों द्वारा बताया भी जाता था कि उन्होंने स्वयं बकरी खरीदी है। (अनुलग्नक-4)

उक्त समय बकरी इंटरवेंशन को लेकर प्रखंड मेंटर डॉ राजेश सर स्वयं , YP लाइवस्टॉक, संबंधित सभी CC के साथ बकरी PG में मुझे BPIU में अन्य परियोजना कार्यों के लिए छोड़कर BPIU Vehicle से क्षेत्र भ्रमण किया करते थे । सिर्फ सितम्बर, 2020 महीने में ही 19 दिन डॉ राजेश सर के द्वारा संबंधित बकरी PG में 1572 KM तक गाड़ी का उपयोग किया गया था। (अनुलग्नक- 5)

इतना कुछ होने के वावजूद भी मेरे द्वारा व्यक्तिगत रूप से दीदियों को वेंडर से बकरी खरीदने का आरोप लगाया जाना गलत है। मैंने किसी भी दीदियों को ऐसा नहीं कहा था न ही किसी PG की बैठक में ऐसा बोला था।

उसके वाद आरोप है कि हीरालाल मंडल वेंडर नामक व्यक्ति द्वारा पूर्व में पोल्ट्री PG में मुर्गी सप्लाई किया गया था, जो पूरी तरह गलत है। मेरी जानकारी के अनुसार पोल्ट्री PG में जिला कार्यालय के निर्देशन में SPMU द्वारा चयनित वेंडर Kegg फार्म और इंडब्रो नामक कंपनी के द्वारा पूर्व में पोल्ट्री PG में चूजा सप्लाई किया गया था। (अनुलग्नक- 6)

उसके बाद CM रजिया खातून संबंधित सभी आरोपों के संबंध में कहना है कि सभी आरोप गलत, मनगढ़ंत और निराधार हैं।पिछले वर्ष 20-07-2021 को प्राप्त स्पष्टीकरण में भी रजिया खातून नामक CM के द्वारा आरोप लगाया गया था कि मेरे आदेश पर 13 लाख 90 हजार बैंक से ऋण की निकासी कर 11 लाख हीरालाल नामक वेंडर को देकर 2 लाख 90 हजार दीदियों के द्वारा बांट लिया गया जबकि इस स्पष्टीकरण पत्र के आरोप में यह है कि 10 लाख वेंडर को मेरे कहने पर दे दिया गया और 3 लाख 90 हजार दीदियों के द्वारा बंदरबांट कर लिया गया ।

Sumit Kumar
17/10/2022

इस प्रकार के गलत और मनगढ़ंत आंकड़ों से लगाए गए आरोपों की वास्तविकता को महाशय के द्वारा समझा जा सकता है। इस संबंध में सबसे महत्वपूर्ण साक्ष्य अनुलग्नक 7 संलग्न है ।पिछले वर्ष रजिया खातून के आरोपित समूहों के ऋण खातों के मेरे डगरुआ से स्थानांतरित होने के बाद 18 महीने का बैंक विवरण के अवलोकन से ही उसके द्वारा लगाए गए सभी आरोप का खंडन किया जाता है। (अनुलग्नक-7)

18.08.2020 के समय हमारे प्रखंड डगरुआ में कार्यकाल के दौरान समूहों का रीपेमेंट कोरोना काल होने के वावजूद भी पुर्णिया जिले में सर्वश्रेष्ठ था। 18.08.2020 को ही DPCU के Micro Finance प्रबंधक सर और DPM सर के द्वारा पुर्णिया FI ग्रुप पर इस संबंध में भी लिखा गया था । (अनुलग्नक -8)

और उस समय दिए गए उनलोगों के निर्देश के अनुसार ही UBGB बैंक को समूहों के लिंकेज प्रकिया के लिए औपचारिक मेल किया गया होगा जो कि आवेदन के रूप में होगा और Covid-19 के प्रकोप को लेकर बैंको में जमा डॉक्यूमेंट के बैंक द्वारा लिंकेज प्रक्रिया को लेकर मेल किया गया होगा। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य है कि बैंक किसी भी समूह का लिंकेज कई सारी प्रक्रियाओं के बाद समूहो के दीदियों को ऋण का भुगतान करते थे न कि किसी समूह के CM को और न ही मेरे द्वारा किसी को आश्वासन दिए जाने पर। ज्ञात हो कि किसी भी बैंक द्वारा समूहों के निकासी के समय दीदियों को दी जा रही ऋण में मेरा कोई भी व्यक्तिगत भागीदारी नही होता था।

इसके बावजूद भी अगर रजिया खातून नामक CM और मेरे द्वारा किये गए बातचीत का कोई ऑडियो क्लिप होगा तो वो निश्चित ही तोड़ मरोड़ और एडिटेड और प्रायोजित होगा जिसका दुरुपयोग किया गया होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर रजिया खातून नामक किसी CM के समूहों की दीदियों का ऋण की राशि का दुरुपयोग या अन्य किसी को दे दी जाती तो महाशय भी जानते है कि उन आरोपित समूहों में कोई भी ऋण की वापसी हर महीने उन समूहों के खाताओ में बैंक जाकर उक्त समूहों के दीदियों द्वारा कभी नही की जाती । सभी आरोपित समूह आज भी सक्रिय हैं जिनका अभी हाल में भी पुनः अगले लिंकेज हेतु BPIU डगरुआ द्वारा संबंधित बैंक को पत्राचार भी किया गया है।

इसलिए उपरोक्त महत्वपूर्ण तथ्यों से रजिया खातून नामक CM द्वारा लगाए गए सभी आरोप गलत और मनगढ़ंत है ।

इसके बाद आरोप है कि मैंने वेंडर के साथ मिलकर दीदियों को बकरी सप्लाई किया है जो कि पुनः गलत और मनगढ़ंत आरोप है।मैं डगरुआ प्रखंड में BPM के पद पर कार्यरत था न कि बकरी वेंडर के रूप में।

इसके बाद लगाए गए आरोप के संबंध में कहना है कि बकरी हाट में बकरी का सत्यापन संबंधित 7 पंचायत के 4 CC के द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजे गए दैनिक प्रतिवेदन के आधार पर, बकरी PG में स्वयं जाकर पशुपालन प्रबंधक सह मेंटर के द्वारा किया जाता था न कि मेरे जानकारी देने पर। बकरी सत्यापन के समय दीदियों के द्वारा बकरी खरीद की पर्ची भी प्रखंड कर्मियों और पशुपालन प्रबंधक महोदय के द्वारा देखी जाती थी । (अनुलग्नक-9)

सर्वप्रथम पशुपालन प्रबंधक महोदय और प्रखंड कर्मियों द्वारा 20 अगस्त 2020 को डगरुआ के पहले PG ,चांद बकरी PG में 100% दीदियों के द्वारा खरीद की गई बकरी का सत्यापन किया गया था और उसके बाद 24 अगस्त 2020 को डगरुआ के दूसरे बकरी PG लक्ष्मी PG के सभी सदस्यों के बकरियों का सत्यापन किया गया था पुनः उसके बाद 26 अगस्त को तीसरे और चौथे माही और प्राची बकरी PG के 100% दीदियों के द्वारा खरीद की गई बकरियों का सत्यापन किया गया था।जिसमें 24 अगस्त 2020 को लक्ष्मी बकरी PG में हुए सभी 40 दीदियों का बकरी सत्यापन और टैगिंग के उपरांत लक्ष्मी PG के सदस्यों के खाताओ में 30-10-2020 को 12000 रुपये प्रति दीदी पशुपालन प्रबंधक महोदय के आदेशानुसार बकरी PG द्वारा भी भेजी गयी थी। (अनुलग्नक-10)

इसके बावजूद भी गलत आरोप लगाया गया है कि 24 अगस्त 2020 को लक्ष्मी बकरी PG के सदस्यों द्वारा बकरी जीविका के द्वारा ही सप्लाई करने की बात कही गयी है। सभी आरोप मनगढ़ंत और आधारहीन है।

उसके बाद पुनः मनगढ़ंत आरोप लगाया गया है की वेंडर के दवाब के कारण मैंने समूह के CM को पैसा निकालने के लिए तैयार किया। महाशय को भी ज्ञात है कि समूहों के वित्तिय लेन देन की उत्तराधिकारी समूहों की दीदियां होती है न कि कोई CM या जीविका कर्मी।मेरे द्वारा 8 CM को तैयार करा लेना, 31 समूहों के 93 OB मेंबर को तैयार करा लेना, बैंक लिंकेज की इतनी बड़ी विशाल राशि 32 लाख 67 हजार की निकासी कर 29 लाख 35 हजार वेंडर को दे देना इस प्रकार के सभी आरोप पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत हैं ।

महाशय, इस प्रकार के सभी आरोपों के संबंध में काफी विचारणीय प्रश्न है कि इतनी बड़ी समुदायिक राशि आर दुरुपयोग या किसी अन्य को दे दी जाती तो समूहों के सैकड़ों सदस्य 1 साल तक चुप रहकर साल भर बाद जागृत होते क्या? क्या हर महीने उन समूहों में बैंक लिंकेज की राशि का रीपेमेंट दीदियों के द्वारा बैंक खातों में जमा होता क्या ? क्या 31 समूह की सैकड़ों दीदियां जिनको आरोप अनुसार मैंने तैयार कर लिया था मेरे डगरुआ से स्थानांतरित होने के 7

Sumit Kumar
17/10/2022

महीने तक चुप्पी साधे रखते क्या ? महाशय के द्वारा भी ऐसे आरोपों के वास्तविकता को समझा जा सकता है।

उसके बाद आरोप है कि बकरी इंटरवेंशन में चुने गए ज्यादातर लाभार्थी SHG के OB मेम्बर थे ताकि पैसे की निकासी आसानी से हो सके। पुनः इस प्रकार का गलत आरोप लगाया गया है। बकरी PG पॉलीसी के अनुसार PG के सदस्यों का चयन की मुख्य जिम्मेदारी CC और AC को दी गयी है और डगरुआ में भी सभी बकरी PG का निर्माण, PG सदस्यों का चयन , बकरी PG के प्रोफाइल की एंट्री आदि संबंधित CC के द्वारा ही कि गयी थी । मेरे द्वारा 7 पंचायतों के 23 PG में 920 दीदियों में खोज खोज कर समूहों के OB मेम्बर को बकरी PG लाभार्थी बनाने का कार्य नही किया गया था। (अनुलग्नक-11)

इसके बाद जिला जांच कमिटी के द्वारा आरोप लगाया गया है कि मेरी संलिप्तता से समूहों के पैसा निकासी की गई । इस प्रकार के मौखिक आरोप लगाना पुनः आधारहीन और गलत है। महाशय को भी ज्ञात है कि किसी भी समूहों को बैंक द्वारा निकासी उसके सदस्यों को कई प्रक्रिया के बाद , समूहों के दीदियों को की जाती है।समूहो के सदस्यों द्वारा रुपये का वितरण दीदियों द्वारा स्वयं समूह के बैठकों में लेखा जोखा से साथ किया जाता है जिसमें मेरी कोई भी व्यक्तिगत भागीदारी भी नहीं होती है। डगरुआ प्रखंड के सभी बैंकों में समूहों द्वारा प्रत्येक ऋण निकासी के बाद MF नोडल पर्सन द्वारा निकासी संबंधित प्रतिवेदन प्रतिदिन जिला को भी भेजा जाता था लेकिन कभी भी गलत तरीके से पैसे निकासी की कोई भी शिकायत BPIU और DPCU को नही की गई थी।

अंत मे, आरोप यह है कि मेरे द्वारा सुनियोजित तरीके से किसी खास वेंडर को लाभ पहुंचाया गया और समुदायिक निधि का जान बूझ कर अपने फायदे के लिए दुरुपयोग किया गया है जो कि उपरोक्त प्रत्युत्तर और साक्ष्यों के अवलोकन से ही स्पष्ट गलत और मनगढ़ंत साबित होता है। सभी आरोपों का खंडन मुख्य रूप से संलग्नक आरोपित समूहों के 18 महीने के बैंक विवरण और आदरणीय जिला परियोजना प्रबंधक, महोदय के द्वारा जिला लोक शिकायत पदाधिकारी महोदय को दिए गये पत्रांक पत्रांक संख्या 25, दिनांक -15.04.2021 एवं पत्रांक संख्या -81 दिनांक – 19.06.2021 के अवलोकन से ही स्पष्ट है . जिसमें स्पष्ट रूप से लिखित है कि डगरुआ प्रखंड में बकरी पालन एवं ख़रीददारी में किसी भी प्रकार की वित्तिय अनियमितता या भ्रस्टाचार नही हुई है और न ही समुदाय स्तर से कोई भी लिखित शिकायत जिला जीविका कार्यालय , पुर्णिया को प्राप्त हुई है।(अनुलग्नक-12)

उपरोक्त सभी गलत , निराधार, मनगढ़ंत और व्यक्तिगत आरोप लगाने का मुख्य कारण मेरे डगरुआ कार्यकाल में 2020 में COVID-19 के दौरान मई 2020 में पूर्णिया जिले में तत्कालीन DPM सुनिर्मल गरेन सर की नीजी स्वार्थ 2 लाख 40 हजार मास्क पालिसी के विरुद्ध वेंडर से खरीदने की बात को नही मानना रहा है(अनुलग्नक-13)

और पशुपालन प्रबंधक सह प्रखंड मेंटर सह उक्त केस के जांच कमिटी के सदस्य डॉ राजेश कुमार सिंह सर के द्वारा जीविका परियोजना पॉलिसी और समेकित बकरी भेड़ विकास योजना अंतर्गत दीदियों की हजारों बीमित बकरियां का बीमा राशि 4000 रुपये प्रति मृत बकरियों का उनके द्वारा बकरियों के ससमय बीमार और मरने पर पुर्णिया जिले में एक भी मृत बकरी का अंत्यपरीक्षण और बीमा प्रक्रिया नहीं करने के कारण परियोजना और पॉलिसी के करोड़ों रुपये की विशाल राशि की क्षति और लाभुक दीदियों को बीमा राशि नहीं दिलाने के मामले को मेरे द्वारा पूर्व में उजागर करना था। उन्हें बकरियों के अनवरत मरने की सूचना उन्हें व्हाट्सएप से की जाने लगी थी इसी से वो मेरे ऊपर व्यक्तिगत रूप से पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर आरोप लगाए हैं। (अनुलग्नक-14)

अतः, महाशय से विनम्रता से अनुरोध है कि उपरोक्त सभी बिंदुओं और संलग्नक साक्ष्यों के अवलोकन कर मुझे स्पष्टीकरण से मुक्त करने की कृपा करें । साथ ही 15 महीने से चल रहे LWP को जल्द से जल्द समाप्त कर वित्तिय लाभ के साथ मेरी पोस्टिंग हेतु आदेश देने के कृपा करें ताकि मैं भी परियोजना के लिए कार्य करने के साथ अपने और पूरे परिवार का भरण पोषण कर सकूं वर्तमान के विषम परिस्थितियों में जी रहे जीवन से निकल सकूँ।

इसके लिए मैं आपका सदा आभारी रहूँगा।

Sumit Kumar
17/10/2022

आपका विश्वासभाजन

सुमित कुमार

BPM डुमरिया, जिला - गया

EMP ID- 205780

स्थान- सहरसा

दिनांक 17/10/2022

Copy To:
1. Director Sir
2. DPM Sir, Purnea
3. HR Manager Sir, Purnea

3
(P.T.O)

स्पष्टीकरण में 14 अनुलग्नक साक्ष्यों की विवरण सूची

अनुलग्नक 1. 13.12.2019 को जिला कार्यालय, पुर्णिया में Goat इंटरवेंशन फेज 4 के बैठक हेतु मेंटर राजेश सर के द्वारा किया गया मेल कॉपी प्रति

अनुलग्नक 2. बकरी PG के 2020 में बैठकों में मेंटर डॉ राजेश सर और सभी प्रखंड कर्मियों द्वारा किये गए एक्टिविटी और बकरी खरीद दारी को लेकर दीदियों के विचारों की प्रति

अनुलग्नक 3. व्हाट्सएप ग्रुप Daily Reporting Goatry पर डगरुआ के CC द्वारा किया गए प्रतिवेदन की प्रति

अनुलग्नक 4. बकरी खरीददारी हेतु PG के दीदियों के साथ DPM सर, Dr राजेश सर और सभी संबंधित कर्मियों के एक कॉन्फ्रेंस कॉल का ऑडियो क्लिप

अनुलग्नक 5.बकरी इंटरवेंशन के समय प्रखंड मेंटर सह पशुपालन प्रबंधक द्वारा सितंबर 2020 में 1572 KM BPIU गाड़ी का उपयोग किये गए Log Book की प्रति

अनुलग्नक 6. पॉल्ट्री PG में चूजा सप्लाई को लेकर राज्य कार्यालय आदेश की प्रति

अनुलग्नक 7.स्पष्टीकरण में CM रजिया खातुन के आरोपित 6 समूहों के ऋण खातों के मेरे डगरुआ प्रखंड से स्थानांतरित होने के बाद 18 महीने का बैंक विवरण की प्रति और सितंबर 2022 में आरोपित समूहों का अगले लिंकेज हेतु BPIU डगरुआ से UBGB Barsoni ब्रांच को भेजे गए लेटर की प्रति

अनुलग्नक 8 18.08.2020 को व्हाट्सएप ग्रुप Purnea FI Theme पर DPM सर का कमेंट

अनुलग्नक 9. Goat Purchase Receipt Copy During Goat Validation

अनुलग्नक 10 बकरी intervention के समय व्हाट्सएप ग्रुप Goat इंटरवेंशन ग्रुप पर 20-08.2020, 24-08-2020 और 26.08.2020 को Dr राजेश सर के द्वारा डगरुआ में 100% Goat वेलिडेशन के बाद किये गए रिपोर्ट की प्रति

अनुलग्नक 11.बकरी PG निर्माण के बाद सदस्यो का प्रोफइल एंट्री कराती CC रंजना कुमारी और बकरी PG का निर्माण करती CC नूतन कुमारी के द्वारा BPIU डगरुआ व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजी गई तस्वीरों की प्रति

अनुलग्नक 12 बकरी पालन में किसी भी प्रकार की अनियमितता नही होने को लेकर DPM महोदय, पुर्णिया द्वारा जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को समर्पित किये गए पत्र की प्रति

अनुलग्नक 13 DPM सर पुर्णिया द्वारा मास्क पालिसी के विरुद्ध वेंडर से 2 मास्क खरीद करने हेतु दिए गए आदेश का ऑडियो क्लिप

अनुलग्नक 14 समेकित बकरी और भेड़ विकास योजना के करोड़ों रुपये मूल्य के बकरियों के मरने के फलस्वरूप अंत्यपरीक्षण हेतु डॉ राजेश कुमार सिंह सर को भेजे गया व्हाट्सएप वीडियो क्लिप

Sumit Kumar
17/10/2022

Please pick up without delay.
11.09.2019
SPM-HR
VP-HR

Inquiry Committee Report on Poultry Intervention of Dagarua Block of Purnia

A four members committee was formed through office order no: BRLPS/Proj – Livestock/1415/18/1750 dated 16/08/2018 to enquire into possible irregularities in Backyard poultry intervention in Ansh Village organization (VO) of Dagarua Block of Purnia district on the request of DPM Purnea.

Committee members are:

1. SPM Community Finance
2. SPM Livestock
3. SFM DDU- GKY
4. Procurement Officer

Committee visited the concern project area from 18 to 20th September 18. Committee members gone through the report of district enquire committee and its related documents. They had an interaction with members of district enquire committee, BPM, Manager Livestock, Area Coordinator (AC), poultry rearers, Office bearers & Book Keeper of Ansh VO, Mother Unit owner, Community Coordinator (CC), Community Mobeliser (CM) and Poultry Resource Person (PRP) . We have visited Mother Unit (MU) and attended a meeting of Ansh VO.

Observations of the enquiry are as given below:

1. Day Old Chicks (DOC) of two Mother Units namely Ansh and Durga were reared at one place in the name of Jyoti Devi and Hiralal Mondal. Hiralal Mondal and Jyoti Devi are husband and wife in relation.
2. Mother Unit was closed since 2016 and no records were available at Mother Unit and Mother Unit owner told that all related documents are in the custody of Ms. Pooja (PRP of Mother Unit).
3. Regular meeting of Ansh VO was not happening since March 2017. All records of VO including Cheque Book are in possession of Ms. Pushpa (CM of concern VO).
4. Ms. Puspa, CM and Ms. Pooja, PRP of Mother Unit are sister in relation.
5. Role of CM and PRP was also not acceptable. We were told that the documentary evidence of VO and Mother Unit was hijacked by them. We approached her house twice but she did not handed over the document.

not aware about a Livelihood intervention running in his block where poultry chicks were reared in different 7 lots.

Recommendation:

1. Appropriate action should be taken against BPM Dagarua for the dereliction of duties being not taking proper action to regularize the scheduled meeting of closed CBOs (VO/ CLF) for longer period, not apprising the status of functionality related issues of concerned CBOs at the appropriate project level. As explained to committee the aspect being uncontrollable at his end. There seems to be his involvement in financial irregularities in poultry intervention under his responsibility area.
2. Appropriate action should be taken against Mr. Sanjay Kumar, LHS and Mr. Ashutosh Kumar, LHS, who were observed to be affiliate in the irregularities in this poultry intervention and not addressing the alarming issues of functionality of concerned CBO.
3. All Books of Records of VO and Mother Units should be recovered from Ms. Puspa, CM and Ms. Pooja, PRP and also the concerned CM should be replaced.
4. Appropriate action should be taken against Dr. Sudhakar Thakur, Manager Livestock, DPCU, Purnia for the dereliction of duties in respect of the said irregularities.

Kaustub Pratik	Santosh Kumar	Dr. Rakesh Kumar Singh	Sanjay Kr. Mishra
Proc. Officer	SFM - DDUGKY	SPM - Livestock	SPM - CF

JEEViKA
An Initiative of Government of Bihar for Poverty Alleviation
Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
State Rural Livelihoods Mission, Bihar
1st Floor, Vidyut Bhawan - II, Bailey Road, Patna- 800 021; Ph.:+91-612-250 4980; Fax:+91-612-250 4960, Website:www.brlp.in
बिहार सरकार

Date: 21/9/2013

Ref. No.: BRLPS/ Proj/231/11/3432

Backyard Poultry Farming

PART I: INTRODUCTION, OBJECTIVE AND STRATEGY

1. Introduction:

Bihar Rural Livelihoods Promotion Society (BRLPS) an autonomous body under the Department of Finance, Govt. of Bihar has been designated as the State Rural Livelihoods Mission to scale up JEEViKA model of poverty alleviation in a phased manner throughout the state of Bihar under the National Rural Livelihoods Mission. BRLPS has a target to mobilize, empower and promote livelihoods for 1.5 crore rural poor families through 10 Lakh sustainable SHGs under 65000 Village Organizations (VO) and 1600 Cluster Level Federations (CLF).

There is evidence that over 50 percent of landless and marginal farmers depend on poultry and small ruminant rearing for livelihoods. Poultry sector provides direct employment to over two million people. The potential contribution of poultry to livelihoods of the rural poor, however, remains largely unexploited because of poor animal husbandry practices, limited access to critical inputs, unorganized rural institutions and absence of effective market linkages. Apart from being a viable source of income, poultry also has the potential to correct household level nutritional imbalances, particularly related to low protein intake by the poor households. The untapped potential of rural poultry production in India and its significant scope in contribution to nutritional requirements and supplementary income is well articulated in the National Livestock Policy (2008). The Eleventh Five Year Plan targeted an annual growth of 10 percent in the poultry sector, stressing that the benefit of this growth should be equitable, primarily benefiting small and marginal farmers, and the landless.

Bihar is largely dependent on supplies from other states to meet its egg and poultry meat consumption needs, indicating the huge local demand to be met. Under JEEViKA's targeting strategy of PoP (Poorest of the Poor) inclusion, a large proportion of JEEViKA SHG members are landless

3. Objectives:

The prime objective is to promote sustainable livelihoods for SHG members through generation of supplementary income and employment.

1. To ensure faster and better return on investment for the members
2. To provide backward and forward linkages essential for long term profitability.
3. To generate gainful employment for women at their door step.
4. To improve nutrition quality esp. per capita protein intake at the household's level.
5. To build high capacity business oriented producer groups with long term focus on scaling up.

PART II: POLICY DETAILS

4. Definition and Objectives:

Backyard Poultry farming refers to village-level production systems with households raising few birds for their own consumption or for local markets with minimal levels of inputs supply and bio-security.

Poultry Business group means a loose federation of Producer Groups (PGs) interested for the poultry business activity. It will be functional at the CLF/Nodal VO level and will have a management group consisting of office bearers of the member PGs

Mother Unit refers to the supply chain management unit involved in rearing of day-old chicks up to about four weeks of age, completing the necessary vaccination schedule and feeding and then selling them to members. A mother unit will be the Main functional unit for "Backyard Poultry Farming" and will operate as a **Profit Centre** with the objective of providing better returns to the community.

Dual Purpose Birds possess many qualities being as disease resistant as the local birds, produce 150-180 eggs and grow significantly faster. In addition, their feather colors help in camouflage and they are sufficiently agile to run away from predators.

Individual Entrepreneur will be the person responsible for managing the mother unit for rearing of chicks. completing the vaccination schedule and providing other services entrusted with the unit and will receive incentive in lieu of the services.

6. Activities of the Poultry Management Group/CLF:

The important functions of the poultry management group/CLF will be as follows:

1. Mobilizing poultry farmers into producer groups at VO level and building their association in the form of a Poultry Business Group at CLF/Nodal VO level.
2. Management & review of cadres or Para-professionals for handholding support to the intervention.
3. Form requisite committees and structure for functional activity and management of the poultry activity.
4. Establishment and management of mother unit to ensure smooth functioning of supply-chain and market linkages. undertake agreement with Individual Entrepreneur for running of mother unit and his/her appraisal on a periodic basis.
5. Ensure registration of the members, maintenance of books of records, operation of bank account, training and regular meeting for management of the group.
6. Facilitate capacity building of members through training and exposure on best practices for enhanced productivity.
7. Ensuring access to and usage of quality inputs and services by Producer Group members for intensive and integrated poultry production.
8. Facilitate access to fair and remunerative markets including linking producer groups to marketing opportunities by market aggregators.

Business Process

Step-1: Orientation workshop on backyard poultry for staffs at District level

In order to bring conceptual understanding of backyard poultry farming an orientation workshop for project staffs will be organized at DPCUs. Manager (Livelihoods)/Manager Off-farm will be responsible to take lead role in organizing the workshop with support of District Training Cell. The DPM will ensure the participation of community coordinators, Area coordinators, Livelihoods Specialist, BPMs, thematic managers and other concerned persons.

The participants will be oriented on the following:

1. Identification of VOs for producer group based on specific parameters.
2. Identification of VRP-Poultry.
3. Financing mechanism.

- Registration of members.
- Business plan.
- Reporting arrangements with the CLF/Nodal VO

Step 5: Collection of member contribution

Once the business group is formed and mother unit established, each member will receive anywhere from 45-150 chicks (28 days old) in 3-6 lots. The number of chicks per lot and total lots to a member will depend on the capacity of the member as well as her technical knowhow. *JEEViKA has already piloted the mother unit based poultry intervention in a number of blocks with a total of around 10000 members as beneficiaries. The experience so far suggests that a household generally starts small initially with lower number of chicks per lot, esp. in case of the poorest households. With experience and demonstrated benefits, the households grow in confidence and subsequently demand higher number of chicks.*

JEEViKA will leverage benefits for its members under the Integrated Poultry Development Program. Under the program, a member is eligible to receive up to a maximum of 150 chicks in 3-6 lots. (For e.g. a member may receive initially 45 chicks in 3 lots of 15 chicks each, followed by the delivery of remaining 105 chicks in 3 lots of 35 chicks each). Further, the rearing and vaccination cost of the DoCs for up to 4 weeks will be covered under the scheme. This rearing and vaccination cost will be calculated based on the lot size at the mother unit and will be parked directly at the mother unit through CLF/Nodal VO.

In order to participate in this activity, an SHG member has to first be a part of the poultry producer group at the VO level. Subsequently, the producer group will register for the business group by depositing Rs. 50 per member. The registration fee deposited by the members will be maintained at the business group in CLF/Nodal VO. Further contributory amount of Rs.10/chick from members will be deposited at the CLF/Nodal VO level, which will be utilized by the CLF/Nodal VO to partially cover costs of training, monitoring and vaccination at the household level. The tentative cost for a total of 150 chicks to be delivered to the members and the detail of total member contribution will be as follows. All these costs are subject to revision from time to time.

- Cost of 150 day old chicks- 150*19=Rs.2850/-
- Rearing cost- 150*31=Rs.4650/-(includes feed, vaccine, Entrepreneur cost etc.)
- Service charge of VRP- 150*4=Rs.600/-
- Total cost of 150 chicks of 28 days old at members door step= 2850+4650+600=Rs.8100/-

Further the trained VRP-Poultry will impart training to the members of group with the help of the resource persons from district Animal Husbandry Dept./KVK/Corporate agencies.

Step 7: Business cycle

Backyard poultry will be fully managed by the community members at the household level as a business enterprise. Necessary facilitation support will be provided by the BRLPS staff and cadre. The proposed business cycle of a mother unit is described below:

1. The Poultry Business Group will purchase Day old chicks (DoC), vaccines, feed, medicines etc. for the mother unit from open market as per the community procurement guidelines, under the supervision of CLF/Nodal VO. ***The business group and CLF shall ensure that the DoCs procured are pre-vaccinated against Marek's disease***. The mother unit will be managed on incentive basis by an individual entrepreneur under the control of CLF/Poultry Business Group. The mother unit will rear and vaccinate day old chicks up to 28 days. The vaccination schedule to be followed at mother unit and the household level is attached in Annexure-III. After acclimatization, the 28 days old chicks will be delivered to the households linked to that mother unit, in 3-6 lots over a period.
   The number of chicks per lot and total lots to a member will depend on the capacity of the member as well as her technical knowhow. The procurement volume of DoCs will depend on the capacity of the business group and is expected to grow as the households grow more adept at the activity. Initially, smaller procurement volume and capacity at the mother unit will mean that households will get the chicks in a staggered manner. Also, the CLF/Nodal VO will assist the households in designing and building appropriate cages with support from JEEViKA field staff. (*The procurement of DOCs by the CLF/Nodal VO shall be on the lines of technical parameters outlined in the Rural Backyard Poultry Development Scheme implemented by the Govt. of India in recent years)*
2. Mother unit will ensure the on schedule vaccination, delivery of chicks to the members, updating of records, training and exposure. The entrepreneur will ensure all these activities and will be aided by the VRP-Poultry as and when needed. Capacity building of the entrepreneur and the VRP will be done on all major aspects.
3. Individual members will rear female chicks for one and half year for eggs production and male chicks may be sold out after two months or after reaching a body wt. of 1.5-2 kg. The households will adopt standard rearing practices including 4 vaccinations to be done at the household level, regular administration of de-worming medicine, building nesting units etc.

Step 8: Selection process and eligibility criteria of the VRP-Poultry- As mentioned in VRP-Poultry policy

Step 9: Marketing strategy:

The YP/VRP-Poultry will support the CLF/Nodal VO as well as the poultry business group for market linkage. After household level consumption, Individual member may sell out eggs either to the Mother unit for institutional orders or to individual buyers in the nearby markets. CLF/Poultry Business Group will facilitate arrangements with institutional buyers for sale of eggs and poultry meat. The mother unit will serve as the marketing channel for institutional buyers. In such cases, the eggs/birds will be collected from individual household and supplied to the mother unit by the VRP and collectively sold to the institutional buyers.

Apart from institutional sales, producer group members may undertake selling of eggs and poultry meat to individual buyers. In such cases, the households will undertake marketing activities on their own. The poultry producer groups may appoint point person among themselves to operate a sales counter within the village. Cost of selling will be recovered from the revenues and remaining profit will flow back to the member households through the producer group.

Step 10: Services to be offered by Mother Unit:

- Supply of 28 days old chicks to a member.
- Vaccination and medication to poultry birds at regular interval.
- Supply of poultry feed to individual households on cost basis.
- Technical support, training, marketing and handholding support to members through VRP.

7. Funding Envelop and Fund Flow:

After interested members are mobilized into Poultry Producer Groups, the producer groups will submit proposals along with detailed activity plan to the CLF/BPIU. The CLF along with the poultry management group after initial appraisal will consolidate the demand and forward the proposals to the DPCU. The proposals will be thoroughly examined and appraised by the appraisal team at DPCU, consisting of the District Project Manager, Finance Manager and Manager Livelihoods/Manager Off-farm. Based on the proposals received from poultry producer groups belonging to the same cluster, the DPCU will integrate the demand and release funds for establishment of Mother Unit in the concerned cluster (*For e.g. If 7 producer groups with a total of 325 members from the same cluster submit proposal for financial assistance, the demand will be consolidated by the CLF/Nodal VO and*

Books of account and allied documents: The following books of account & registers will be required at the Poultry Business Cooperative/PG to track the poultry project.

A. Books of Account (Fund flow formats):

i. **Cash Book:** To record all the receipts & payments made at mother unit on day to day basis. In case the mother unit is having separate Bank A/c then double column book is preferred.

ii. **Ledger:** To classify the transaction under each account head on the basis of cash book.

iii. **Receipt Voucher:** To be used for the purpose of Receipt of cash by mother unit from its member or otherwise.

iv. **Payment Voucher:** To be used as a supporting document for payment of cash by mother unit and voucher must be supported by bills etc.

v. **Inward Challan:** For the purpose of collection of eggs & birds from the HHs and DoCs from the market.

vi. **Outward Challan:** Carrying eggs, birds, etc. outside the mother unit for sale in open market.

vii. **Purchase & Payment Register:** To record the detail of egg and poultry bird collected from the HHs by the mother unit for the purpose of sale in open market.

B. Programme formats :

i. **MP (Micro-planning) format:** to record the interest of members.

ii. **Mother Unit Daily Register:** to record mortality, feed consumption, medication and vaccination during rearing of DoC.

iii. **DoC Stock Register:** to maintain the quantitative detail of Receipt & Issue of DOC, bird etc.

iv. **DoC Distribution Register:** to record the number of DOC distributed among HHs.

v. **General Stock Register:** to record the purchase and consumption of items.

vi. **Household register:** to record detail of rearing and sale of birds, eggs etc.

vii. **VRP Register:** to record function of poultry community cadre.

Milestones and Triggers for Funding:

Plans of the producer groups would be appraised by the respective Nodal VO / CLF before being submitted to the project for appraisal and approval from the DPCU. The proposal along with a

Third tranche	30%	Working capital for collective actions/activities Marketing Innovations	e. Earlier tranches utilized as per agreed norms a. Equipment and machinery commissioned. f. Advanced technical trainings completed g. Up to date record keeping. h. Case study developed.

PART III: KEY RULES, COMPLIANCE AND APPRAISAL CHECK AND MONITORING

8. Key Rules:

1. Micro planning is an essential pre-requisite for poultry business.
2. Registration of members in the poultry business group at CLF/PG is compulsory.
3. Formation of Sub-Committee for poultry business at CLF/PG.
4. Availability of infrastructure with the entrepreneur for mother unit and their selection.
5. Agreement between CLF/Nodal VO and the entrepreneur for running of mother unit.
6. Establishment of mother unit.
7. Books of record and registers to be placed.
8. Decision on procurement of DoC, feed, Vaccines and other inputs by CLF/PG.
9. Training of VRP-Poultry and members.

Guiding principles to sustain Poultry Business are mentioned below:

1. Focus on shared member needs and common objectives (use more participatory approaches). The final decision on all major matters should be based on group member consensus.
2. A range of different organizational approaches and forms should be used- the type of group approach used will vary according to the stage of development of group members, i.e. their level of organizational skills, technical knowledge, education and asset base.
3. Give top priority to promoting sustainability- ensure that groups formed become financially self-reliant enough to sustain their operations without the continued need for outside support.
4. Ensure that the group savings and capital contributions to the enterprise continue to grow.

Checklist: The checklist for this component will be the annual training plan, report of training programs, trainees list, training register, training Photographs, VRP- Poultry register, Mother unit daily register, etc.

b). **Financial, Administrative and Statutory System:** There would be Internal as well as External appraisal of Financial and Administrative System of the poultry business group.

Internal Appraisal: A separate committee consisting of 5 members including 3 RGB members and 2 OB members would do internal appraisal of financial and administrative system at mother unit on a monthly basis. The committee would appraise the staffing, performance of staffs, payment to staffs; leave system for staffs, financial and administrative process, procurement process, fulfillment of statutory and audit requirements, action on compliance of statutory and Audit etc. *In areas where CLFs are yet to be formed, the internal appraisal will be carried out by Poultry sub-committee of the Nodal VO.* The committee will prepare a report and submit to DPCU.

External Appraisal: A Committee of 5 members including DPM/BPM, Accountant and Thematic Managers would appraise the financial, administrative and statutory system at the Mother unit on a quarterly basis. The committee would appraise the staffing, performance of staffs, payment to staffs, leave system for staffs, financial and administrative process, procurement process, fulfillment of statutory and Audit requirements, action on compliance of statutory and Audit etc. . The committee will prepare a report and submit to DPCU/SPMU. A copy of the report will also be shared with the CLF/Nodal VO.

Checklist: Books of Accounts and records, Monthly Receipt and Payment /Income and expenditure/profit and Loss reports, Procurement committee Meeting register, VRP-Poultry register and payment register, Personnel file , Monthly MIS and Progress Report, Minutes of Sub-Committee (Poultry), RGB meeting, Stock & Vaccination Register, Movement Register, Annual report, Case study report, Annual audit report, etc

9. **Disbursement:**

Installment One: Approval of plan by DPCU: 40% of the Sanctioned budget.

Installment Two: 30% of the Sanctioned Budget after utilization of at least 60% of first installment (as per UC submitted).

Installment Three: 30% of the Sanctioned Budget after utilization of at least 80% of the earlier released funds (as per UC submitted)

PART IV IMPLEMENTATION

Roles and Responsibilities

The intervention's success will depend on concerted efforts by the project staff and more importantly, the community members. Effective convergence with the Dept. of Animal and Fishery resources will also be critical towards the success of the intervention. The same has been discussed in later sections. Responsibilities of project staffs and community members would be as follows:

Project Staffs: Livelihood Team (Manager LH, Livelihood Specialists, YPs), BPM and DPM.

- Assist GB/RGB/BoD in facilitating their meetings.
- Facilitate CLF/Nodal VO in appraisal of Micro Planning submitted by Mother Unit.
- Facilitate procurement of DoCs as per technical norms and guidelines
- Monitor the operations of Mother Unit by entrepreneur and household level poultry rearing.
- Support CLF and poultry business group in creation of market linkages
- Facilitate in-time completion of Annual Audit and Return filing.
- Placement of Administrative and Financial Systems.
- Support in MIS development, Maintenance and utilization.

Community (CLF/Nodal VO):

- Mobilization of members into poultry business group.
- Establishment of Mother Unit.
- Formation of Sub-Committee (poultry).
- Formation of representative management group at CLF level to manage the Poultry Business group.
- Procurement of DoC and other inputs through community procurement guidelines.
- Regular monitoring of operations of Mother Unit and fund usage.

Convergence Arrangements at Different Levels

At Block Level: JEEViKA block teams will work closely with the animal husbandry dept. at the block level. The touring veterinary officers (TVOs) will visit every Mother Unit once in a month. Also, the TVOs may randomly choose one member PG from each mother unit for household level visit. TVOs in their visit will ensure on time and proper vaccination of chicks at the mother unit as well as at the household level. Also, in case of unusually high mortality cases, they will extend immediate assistance to rectify the causes, generate alerts to higher levels if needed and perform on-site post mortems to ascertain the cause of mortality. The Poultry Business Groups along with the block livelihoods team of JEEViKA and the TVOs, will prepare a monthly action plan and route chart for visiting mother units and vaccination schedule of different units.

At District Level: At district level, the Assistant Poultry Officers will be conducting regular field visits to the mother units, provide necessary support to the district livelihoods team and will also supervise the work of TVOs wherever needed. Also, the APOs will generate a monthly report based on their field visits. This report will be jointly appraised by the District Animal Husbandry Officer and District Project Manager (JEEViKA). The district teams will also hold monthly meetings to review the progress of the intervention and will submit the progress report to the state units. *During initial stages of the intervention, the reviews may also be held twice a month to intensively monitor the roll out of the scheme.*

At State Level: State level teams of JEEViKA and Dept. of Animal and Fishery Resources will meet once a month to review the performance of the intervention and to take any policy level decisions if needed. Major trends emerging from the implementation will be closely monitored and necessary policy level changes will be decided upon.

21/9/2013

Encl.: As above.

(Arvind Kumar Chaudhary)
Chief Executive Officer
– cum –
State Mission Director

For Distribution

1. CFO/OSD/AO/FO/PS.
2. All SPMs & PMs.
3. All DPMs/In Charge, All Thematic Managers, All BPMs/In Charge & All YPs.
4. Concerned File.
5. IT Section.

Total Project Outlay	Rs.4140000.00
Community Contribution (CLF+ Houshold contribution)	Rs. 420000.00
Entrepreneur's Contribution	Rs.480000.00
BRLPS Contribution	Rs.530000.00
Dept. of Animal Hus.	Rs.2710000.00

14. Business Plan and Funding Sources

Details	Year 1	Year 2	Year 3	Total
No. of producer members				
Estimated volume of production				
Estimated value of production				
Estimated income for members				
Investments				
Start-up Costs (indicate if already funded)				
Technical Assistance Costs				
Cost of Community Resource Persons				
Village level productive infrastructure				
Working capital for collective purchase				
Working capital for collective marketing				
A. Total investment required				
Funding Sources				
Members' contribution				
Bank loans				
B. Total funds mobilized				
Resource Gap				
Resource Gap (A-B)				

15. Implementation Schedule

Particulars	Start Date	End Date	Who will do?	Support from DPCU
Mobilizing of producer group				
Activity plan for the producer group				
Training and exposure visits				
Positioning of trained community resource person				
Technical assistance and other service linkages				
Commissioning of village level productive infrastructure				
Advanced technical trainings and exposure visits				
Working capital for collective purchase				
Working capital for collective marketing				

16. Further details if any:

Signature of the Treasurer

Signature of the Secretary

Annexure-III: Vaccination Schedule and Rearing Practices

a) Vaccination Schedule

S. No.	Name of Disease	Vaccine	Vaccine Schedule	Mode of Vaccination
1	Marek's	M.D.	Day old chick	Subcutaneous
2	Ranikhet	R.D.F-1	5-7 day age	One drop through eye/ear
3	Gumboro	Gumboro (killed)	14-18th day	By drinking water/Subcutaneous
4	Ranikhet	R.D.F-2/ R2B	After F-1, at 6-7 weeks age	Intramuscular
5	Fowl Pox	Fowl Pox Vaccine	At 40 day age	Prick method under the wing
6	Gumboro	Gumboro (killed)	At 90 day age	By drinking water/Subcutaneous
7	Ranikhet	R.D. (killed)	At 140 day age	Subcutaneous

b) Standard Rearing Practices

The households participating under the poultry intervention should adopt standard rearing practices to ensure ideal growth of chicks and get better returns. Some of the vital standard practices that should be followed as norm are as follows:

- Regular de-worming of poultry birds should be done at the household level by administering the de-worming medicine. De-beaking of poultry birds when they get 3 months old is important to protect them from injuries. VRP-Poultry should facilitate the process.
- Households should build nesting units for the egg-layers to facilitate proper hatching. VRP-Poultry after receiving the requisite training should help the members in building nesting units.
- Proper feeding practices should be adopted at the household level, ensuring timely and sufficient food availability to the poultry birds. Also, the feed should be supplemented with prescribed amount of calcium carbonate for the egg layers to ensure that the egg shells are sufficiently strong.

JEEViKA
An Initiative of Government of Bihar for Poverty Alleviation
Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
State Rural Livelihoods Mission, Bihar
1st Floor, Vidyut Bhawan - II, Bailey Road, Patna- 800 021; Ph.:+91-612-250 4980; Fax:+91-612-250 4960, Website:www.brlp.in
बिहार सरकार

Ref. No. : BRLPS/ Prog/231/11/3432 Date : 21/9/2013

Backyard Poultry Farming

PART I: INTRODUCTION, OBJECTIVE AND STRATEGY

1. Introduction:

Bihar Rural Livelihoods Promotion Society (BRLPS) an autonomous body under the Department of Finance, Govt. of Bihar has been designated as the State Rural Livelihoods Mission to scale up JEEViKA model of poverty alleviation in a phased manner throughout the state of Bihar under the National Rural Livelihoods Mission. BRLPS has a target to mobilize, empower and promote livelihoods for 1.5 crore rural poor families through 10 Lakh sustainable SHGs under 65000 Village Organizations (VO) and 1600 Cluster Level Federations (CLF).

There is evidence that over 50 percent of landless and marginal farmers depend on poultry and small ruminant rearing for livelihoods. Poultry sector provides direct employment to over two million people. The potential contribution of poultry to livelihoods of the rural poor, however, remains largely unexploited because of poor animal husbandry practices, limited access to critical inputs, unorganized rural institutions and absence of effective market linkages. Apart from being a viable source of income, poultry also has the potential to correct household level nutritional imbalances, particularly related to low protein intake by the poor households. The untapped potential of rural poultry production in India and its significant scope in contribution to nutritional requirements and supplementary income is well articulated in the National Livestock Policy (2008). The Eleventh Five Year Plan targeted an annual growth of 10 percent in the poultry sector, stressing that the benefit of this growth should be equitable, primarily benefiting small and marginal farmers, and the landless.

Bihar is largely dependent on supplies from other states to meet its egg and poultry meat consumption needs, indicating the huge local demand to be met. Under JEEViKA's targeting strategy of PoP (Poorest of the Poor) inclusion, a large proportion of JEEViKA SHG members are landless

3. Objectives:

The prime objective is to promote sustainable livelihoods for SHG members through generation of supplementary income and employment.

1. To ensure faster and better return on investment for the members
2. To provide backward and forward linkages essential for long term profitability.
3. To generate gainful employment for women at their door step.
4. To improve nutrition quality esp. per capita protein intake at the household's level.
5. To build high capacity business oriented producer groups with long term focus on scaling up.

PART II: POLICY DETAILS

4. Definition and Objectives:

Backyard Poultry farming refers to village-level production systems with households raising few birds for their own consumption or for local markets with minimal levels of inputs supply and bio-security.

Poultry Business group means a loose federation of Producer Groups (PGs) interested for the poultry business activity. It will be functional at the CLF/Nodal VO level and will have a management group consisting of office bearers of the member PGs

Mother Unit refers to the supply chain management unit involved in rearing of day-old chicks up to about four weeks of age, completing the necessary vaccination schedule and feeding and then selling them to members. A mother unit will be the Main functional unit for "Backyard Poultry Farming" and will operate as a **Profit Centre** with the objective of providing better returns to the community.

Dual Purpose Birds possess many qualities being as disease resistant as the local birds, produce 150-180 eggs and grow significantly faster. In addition, their feather colors help in camouflage and they are sufficiently agile to run away from predators.

Individual Entrepreneur will be the person responsible for managing the mother unit for rearing of chicks. completing the vaccination schedule and providing other services entrusted with the unit and will receive incentive in lieu of the services.

6. Activities of the Poultry Management Group/CLF:

The important functions of the poultry management group/CLF will be as follows:

1. Mobilizing poultry farmers into producer groups at VO level and building their association in the form of a Poultry Business Group at CLF/Nodal VO level.
2. Management & review of cadres or Para-professionals for handholding support to the intervention.
3. Form requisite committees and structure for functional activity and management of the poultry activity.
4. Establishment and management of mother unit to ensure smooth functioning of supply-chain and market linkages. undertake agreement with Individual Entrepreneur for running of mother unit and his/her appraisal on a periodic basis.
5. Ensure registration of the members. maintenance of books of records, operation of bank account. training and regular meeting for management of the group.
6. Facilitate capacity building of members through training and exposure on best practices for enhanced productivity.
7. Ensuring access to and usage of quality inputs and services by Producer Group members for intensive and integrated poultry production.
8. Facilitate access to fair and remunerative markets including linking producer groups to marketing opportunities by market aggregators.

Business Process

Step-1: Orientation workshop on backyard poultry for staffs at District level

In order to bring conceptual understanding of backyard poultry farming an orientation workshop for project staffs will be organized at DPCUs. Manager (Livelihoods)/Manager Off-farm will be responsible to take lead role in organizing the workshop with support of District Training Cell. The DPM will ensure the participation of community coordinators, Area coordinators, Livelihoods Specialist, BPMs, thematic managers and other concerned persons.

The participants will be oriented on the following:

1. Identification of VOs for producer group based on specific parameters.
2. Identification of VRP-Poultry.
3. Financing mechanism.

- Registration of members.
- Business plan.
- Reporting arrangements with the CLF/Nodal VO

Step 5: Collection of member contribution

Once the business group is formed and mother unit established, each member will receive anywhere from 45-150 chicks (28 days old) in 3-6 lots. The number of chicks per lot and total lots to a member will depend on the capacity of the member as well as her technical knowhow. *JEEViKA has already piloted the mother unit based poultry intervention in a number of blocks with a total of around 10000 members as beneficiaries. The experience so far suggests that a household generally starts small initially with lower number of chicks per lot, esp. in case of the poorest households. With experience and demonstrated benefits, the households grow in confidence and subsequently demand higher number of chicks.*

JEEViKA will leverage benefits for its members under the Integrated Poultry Development Program. Under the program, a member is eligible to receive up to a maximum of 150 chicks in 3-6 lots. (For e.g. a member may receive initially 45 chicks in 3 lots of 15 chicks each, followed by the delivery of remaining 105 chicks in 3 lots of 35 chicks each). Further, the rearing and vaccination cost of the DoCs for up to 4 weeks will be covered under the scheme. This rearing and vaccination cost will be calculated based on the lot size at the mother unit and will be parked directly at the mother unit through CLF/Nodal VO.

In order to participate in this activity, an SHG member has to first be a part of the poultry producer group at the VO level. Subsequently, the producer group will register for the business group by depositing Rs. 50 per member. The registration fee deposited by the members will be maintained at the business group in CLF/Nodal VO. Further contributory amount of Rs.10/chick from members will be deposited at the CLF/Nodal VO level, which will be utilized by the CLF/Nodal VO to partially cover costs of training, monitoring and vaccination at the household level. The tentative cost for a total of 150 chicks to be delivered to the members and the detail of total member contribution will be as follows. All these costs are subject to revision from time to time.

- Cost of 150 day old chicks- 150*19=Rs.2850/-
- Rearing cost- 150*31=Rs.4650/-(includes feed, vaccine, Entrepreneur cost etc.)
- Service charge of VRP- 150*4=Rs.600/-
- Total cost of 150 chicks of 28 days old at members door step= 2850+4650+600=Rs.8100/-

Further the trained VRP-Poultry will impart training to the members of group with the help of the resource persons from district Animal Husbandry Dept./KVK/Corporate agencies.

Step 7: Business cycle

Backyard poultry will be fully managed by the community members at the household level as a business enterprise. Necessary facilitation support will be provided by the BRLPS staff and cadre. The proposed business cycle of a mother unit is described below:

1. The Poultry Business Group will purchase Day old chicks (DoC), vaccines, feed, medicines etc. for the mother unit from open market as per the community procurement guidelines, under the supervision of CLF/Nodal VO. ***The business group and CLF shall ensure that the DoCs procured are pre-vaccinated against Marek's disease.*** The mother unit will be managed on incentive basis by an individual entrepreneur under the control of CLF/Poultry Business Group. The mother unit will rear and vaccinate day old chicks up to 28 days. The vaccination schedule to be followed at mother unit and the household level is attached in Annexure-III. After acclimatization, the 28 days old chicks will be delivered to the households linked to that mother unit, in 3-6 lots over a period.

   The number of chicks per lot and total lots to a member will depend on the capacity of the member as well as her technical knowhow. The procurement volume of DoCs will depend on the capacity of the business group and is expected to grow as the households grow more adept at the activity. Initially, smaller procurement volume and capacity at the mother unit will mean that households will get the chicks in a staggered manner. Also, the CLF/Nodal VO will assist the households in designing and building appropriate cages with support from JEEViKA field staff. (*The procurement of DOCs by the CLF/Nodal VO shall be on the lines of technical parameters outlined in the Rural Backyard Poultry Development Scheme implemented by the Govt. of India in recent years)*
2. Mother unit will ensure the on schedule vaccination, delivery of chicks to the members, updating of records, training and exposure. The entrepreneur will ensure all these activities and will be aided by the VRP-Poultry as and when needed. Capacity building of the entrepreneur and the VRP will be done on all major aspects.
3. Individual members will rear female chicks for one and half year for eggs production and male chicks may be sold out after two months or after reaching a body wt. of 1.5-2 kg. The households will adopt standard rearing practices including 4 vaccinations to be done at the household level, regular administration of de-worming medicine, building nesting units etc.

Step 8: Selection process and eligibility criteria of the VRP-Poultry- As mentioned in VRP-Poultry policy

Step 9: Marketing strategy:

The YP/VRP-Poultry will support the CLF/Nodal VO as well as the poultry business group for market linkage. After household level consumption, Individual member may sell out eggs either to the Mother unit for institutional orders or to individual buyers in the nearby markets. CLF/Poultry Business Group will facilitate arrangements with institutional buyers for sale of eggs and poultry meat. The mother unit will serve as the marketing channel for institutional buyers. In such cases, the eggs/birds will be collected from individual household and supplied to the mother unit by the VRP and collectively sold to the institutional buyers.

Apart from institutional sales, producer group members may undertake selling of eggs and poultry meat to individual buyers. In such cases, the households will undertake marketing activities on their own. The poultry producer groups may appoint point person among themselves to operate a sales counter within the village. Cost of selling will be recovered from the revenues and remaining profit will flow back to the member households through the producer group.

Step 10: Services to be offered by Mother Unit:

- Supply of 28 days old chicks to a member.
- Vaccination and medication to poultry birds at regular interval.
- Supply of poultry feed to individual households on cost basis.
- Technical support, training, marketing and handholding support to members through VRP.

7. Funding Envelop and Fund Flow:

After interested members are mobilized into Poultry Producer Groups, the producer groups will submit proposals along with detailed activity plan to the CLF/BPIU. The CLF along with the poultry management group after initial appraisal will consolidate the demand and forward the proposals to the DPCU. The proposals will be thoroughly examined and appraised by the appraisal team at DPCU, consisting of the District Project Manager, Finance Manager and Manager Livelihoods/Manager Off-farm. Based on the proposals received from poultry producer groups belonging to the same cluster, the DPCU will integrate the demand and release funds for establishment of Mother Unit in the concerned cluster (*For e.g. If 7 producer groups with a total of 325 members from the same cluster submit proposal for financial assistance, the demand will be consolidated by the CLF/Nodal VO and*

Books of account and allied documents: The following books of account & registers will be required at the Poultry Business Cooperative/PG to track the poultry project.

A. Books of Account (Fund flow formats):

i. **Cash Book:** To record all the receipts & payments made at mother unit on day to day basis. In case the mother unit is having separate Bank A/c then double column book is preferred.

ii. **Ledger:** To classify the transaction under each account head on the basis of cash book.

iii. **Receipt Voucher:** To be used for the purpose of Receipt of cash by mother unit from its member or otherwise.

iv. **Payment Voucher:** To be used as a supporting document for payment of cash by mother unit and voucher must be supported by bills etc.

v. **Inward Challan:** For the purpose of collection of eggs & birds from the HHs and DoCs from the market.

vi. **Outward Challan:** Carrying eggs, birds, etc. outside the mother unit for sale in open market.

vii. **Purchase & Payment Register:** To record the detail of egg and poultry bird collected from the HHs by the mother unit for the purpose of sale in open market.

B. Programme formats :

i. **MP (Micro-planning) format:** to record the interest of members.

ii. **Mother Unit Daily Register:** to record mortality, feed consumption, medication and vaccination during rearing of DoC.

iii. **DoC Stock Register:** to maintain the quantitative detail of Receipt & Issue of DOC, bird etc.

iv. **DoC Distribution Register:** to record the number of DOC distributed among HHs.

v. **General Stock Register:** to record the purchase and consumption of items.

vi. **Household register:** to record detail of rearing and sale of birds, eggs etc.

vii. **VRP Register:** to record function of poultry community cadre.

Milestones and Triggers for Funding:

Plans of the producer groups would be appraised by the respective Nodal VO / CLF before being submitted to the project for appraisal and approval from the DPCU. The proposal along with a

Third tranche	30%	Working capital for collective actions/activities Marketing Innovations	e. Earlier tranches utilized as per agreed norms a. Equipment and machinery commissioned. f. Advanced technical trainings completed g. Up to date record keeping. h. Case study developed.

PART III: KEY RULES, COMPLIANCE AND APPRAISAL CHECK AND MONITORING

8. Key Rules:

1. Micro planning is an essential pre-requisite for poultry business.
2. Registration of members in the poultry business group at CLF/PG is compulsory.
3. Formation of Sub-Committee for poultry business at CLF/PG.
4. Availability of infrastructure with the entrepreneur for mother unit and their selection.
5. Agreement between CLF/Nodal VO and the entrepreneur for running of mother unit.
6. Establishment of mother unit.
7. Books of record and registers to be placed.
8. Decision on procurement of DoC, feed, Vaccines and other inputs by CLF/PG.
9. Training of VRP-Poultry and members.

Guiding principles to sustain Poultry Business are mentioned below:

1. Focus on shared member needs and common objectives (use more participatory approaches). The final decision on all major matters should be based on group member consensus.
2. A range of different organizational approaches and forms should be used- the type of group approach used will vary according to the stage of development of group members, i.e. their level of organizational skills, technical knowledge, education and asset base.
3. Give top priority to promoting sustainability- ensure that groups formed become financially self-reliant enough to sustain their operations without the continued need for outside support.
4. Ensure that the group savings and capital contributions to the enterprise continue to grow.

Checklist: The checklist for this component will be the annual training plan, report of training programs, trainees list, training register, training Photographs, VRP- Poultry register, Mother unit daily register, etc.

b). **Financial, Administrative and Statutory System:** There would be Internal as well as External appraisal of Financial and Administrative System of the poultry business group.

Internal Appraisal: A separate committee consisting of 5 members including 3 RGB members and 2 OB members would do internal appraisal of financial and administrative system at mother unit on a monthly basis. The committee would appraise the staffing, performance of staffs, payment to staffs; leave system for staffs, financial and administrative process, procurement process, fulfillment of statutory and audit requirements, action on compliance of statutory and Audit etc. *In areas where CLFs are yet to be formed, the internal appraisal will be carried out by Poultry sub-committee of the Nodal VO.* The committee will prepare a report and submit to DPCU.

External Appraisal: A Committee of 5 members including DPM/BPM, Accountant and Thematic Managers would appraise the financial, administrative and statutory system at the Mother unit on a quarterly basis. The committee would appraise the staffing, performance of staffs, payment to staffs, leave system for staffs, financial and administrative process, procurement process, fulfillment of statutory and Audit requirements, action on compliance of statutory and Audit etc. . The committee will prepare a report and submit to DPCU/SPMU. A copy of the report will also be shared with the CLF/Nodal VO.

Checklist: Books of Accounts and records, Monthly Receipt and Payment /Income and expenditure/profit and Loss reports, Procurement committee Meeting register, VRP-Poultry register and payment register, Personnel file , Monthly MIS and Progress Report, Minutes of Sub-Committee (Poultry), RGB meeting, Stock & Vaccination Register, Movement Register, Annual report, Case study report, Annual audit report, etc

9. Disbursement:

Installment One: Approval of plan by DPCU: 40% of the Sanctioned budget.

Installment Two: 30% of the Sanctioned Budget after utilization of at least 60% of first installment (as per UC submitted).

Installment Three: 30% of the Sanctioned Budget after utilization of at least 80% of the earlier released funds (as per UC submitted)

PART IV IMPLEMENTATION

Roles and Responsibilities

The intervention's success will depend on concerted efforts by the project staff and more importantly, the community members. Effective convergence with the Dept. of Animal and Fishery resources will also be critical towards the success of the intervention. The same has been discussed in later sections. Responsibilities of project staffs and community members would be as follows:

Project Staffs: Livelihood Team (Manager LH, Livelihood Specialists, YPs), BPM and DPM.

- Assist GB/RGB/BoD in facilitating their meetings.
- Facilitate CLF/Nodal VO in appraisal of Micro Planning submitted by Mother Unit.
- Facilitate procurement of DoCs as per technical norms and guidelines
- Monitor the operations of Mother Unit by entrepreneur and household level poultry rearing.
- Support CLF and poultry business group in creation of market linkages
- Facilitate in-time completion of Annual Audit and Return filing.
- Placement of Administrative and Financial Systems.
- Support in MIS development, Maintenance and utilization.

Community (CLF/Nodal VO):

- Mobilization of members into poultry business group.
- Establishment of Mother Unit.
- Formation of Sub-Committee (poultry).
- Formation of representative management group at CLF level to manage the Poultry Business group.
- Procurement of DoC and other inputs through community procurement guidelines.
- Regular monitoring of operations of Mother Unit and fund usage.

Convergence Arrangements at Different Levels

At Block Level: JEEViKA block teams will work closely with the animal husbandry dept. at the block level. The touring veterinary officers (TVOs) will visit every Mother Unit once in a month. Also, the TVOs may randomly choose one member PG from each mother unit for household level visit. TVOs in their visit will ensure on time and proper vaccination of chicks at the mother unit as well as at the household level. Also, in case of unusually high mortality cases, they will extend immediate assistance to rectify the causes, generate alerts to higher levels if needed and perform on-site post mortems to ascertain the cause of mortality. The Poultry Business Groups along with the block livelihoods team of JEEViKA and the TVOs, will prepare a monthly action plan and route chart for visiting mother units and vaccination schedule of different units.

At District Level: At district level, the Assistant Poultry Officers will be conducting regular field visits to the mother units, provide necessary support to the district livelihoods team and will also supervise the work of TVOs wherever needed. Also, the APOs will generate a monthly report based on their field visits. This report will be jointly appraised by the District Animal Husbandry Officer and District Project Manager (JEEViKA). The district teams will also hold monthly meetings to review the progress of the intervention and will submit the progress report to the state units. *During initial stages of the intervention, the reviews may also be held twice a month to intensively monitor the roll out of the scheme.*

At State Level: State level teams of JEEViKA and Dept. of Animal and Fishery Resources will meet once a month to review the performance of the intervention and to take any policy level decisions if needed. Major trends emerging from the implementation will be closely monitored and necessary policy level changes will be decided upon.

Encl.: As above.

21/9/2013

(Arvind Kumar Chaudhary)
Chief Executive Officer
– cum –
State Mission Director

For Distribution

1. CFO/OSD/AO/FO/PS.
2. All SPMs & PMs.
3. All DPMs/In Charge, All Thematic Managers, All BPMs/In Charge & All YPs.
4. Concerned File.
5. IT Section.

Total Project Outlay	Rs.4140000.00
Community Contribution (CLF+ Houshold contribution)	Rs. 420000.00
Entrepreneur's Contribution	Rs.480000.00
BRLPS Contribution	Rs.530000.00
Dept. of Animal Hus.	Rs.2710000.00

14. Business Plan and Funding Sources

Details	Year 1	Year 2	Year 3	Total
No. of producer members				
Estimated volume of production				
Estimated value of production				
Estimated income for members				
Investments				
Start-up Costs (indicate if already funded)				
Technical Assistance Costs				
Cost of Community Resource Persons				
Village level productive infrastructure				
Working capital for collective purchase				
Working capital for collective marketing				
A. Total investment required				
Funding Sources				
Members' contribution				
Bank loans				
B. Total funds mobilized				
Resource Gap				
Resource Gap (A-B)				

15. Implementation Schedule

Particulars	Start Date	End Date	Who will do?	Support from DPCU
Mobilizing of producer group				
Activity plan for the producer group				
Training and exposure visits				
Positioning of trained community resource person				
Technical assistance and other service linkages				
Commissioning of village level productive infrastructure				
Advanced technical trainings and exposure visits				
Working capital for collective purchase				
Working capital for collective marketing				

16. Further details if any:

Signature of the Treasurer

Signature of the Secretary

Annexure-III: Vaccination Schedule and Rearing Practices

a) Vaccination Schedule

S. No.	Name of Disease	Vaccine	Vaccine Schedule	Mode of Vaccination
1	Marek's	M.D.	Day old chick	Subcutaneous
2	Ranikhet	R.D.F-1	5-7 day age	One drop through eye/ear
3	Gumboro	Gumboro (killed)	14-18th day	By drinking water/Subcutaneous
4	Ranikhet	R.D.F-2/ R2B	After F-1, at 6-7 weeks age	Intramuscular
5	Fowl Pox	Fowl Pox Vaccine	At 40 day age	Prick method under the wing
6	Gumboro	Gumboro (killed)	At 90 day age	By drinking water/Subcutaneous
7	Ranikhet	R.D. (killed)	At 140 day age	Subcutaneous

b) Standard Rearing Practices

The households participating under the poultry intervention should adopt standard rearing practices to ensure ideal growth of chicks and get better returns. Some of the vital standard practices that should be followed as norm are as follows:

- Regular de-worming of poultry birds should be done at the household level by administering the de-worming medicine. De-beaking of poultry birds when they get 3 months old is important to protect them from injuries. VRP-Poultry should facilitate the process.
- Households should build nesting units for the egg-layers to facilitate proper hatching. VRP-Poultry after receiving the requisite training should help the members in building nesting units.
- Proper feeding practices should be adopted at the household level, ensuring timely and sufficient food availability to the poultry birds. Also, the feed should be supplemented with prescribed amount of calcium carbonate for the egg layers to ensure that the egg shells are sufficiently strong.

अनुलग्नक - 9

Please put up without delay.
11.09.2019

SPM-HR
YP-HR

86

Inquiry Committee Report on Poultry Intervention of Dagarua Block of Purnia

A four members committee was formed through office order no: BRLPS/Proj – Livestock/1415/18/1750 dated 16/08/2018 to enquire into possible irregularities in Backyard poultry intervention in Ansh Village organization (VO) of Dagarua Block of Purnia district on the request of DPM Purnea.

Committee members are:

1. SPM Community Finance
2. SPM Livestock
3. SFM DDU- GKY
4. Procurement Officer

Committee visited the concern project area from 18 to 20th September 18. Committee members gone through the report of district enquire committee and its related documents. They had an interaction with members of district enquire committee, BPM, Manager Livestock, Area Coordinator (AC), poultry rearers, Office bearers & Book Keeper of Ansh VO, Mother Unit owner, Community Coordinator (CC), Community Mobeliser (CM) and Poultry Resource Person (PRP) . We have visited Mother Unit (MU) and attended a meeting of Ansh VO.

Observations of the enquiry are as given below:

1. Day Old Chicks (DOC) of two Mother Units namely Ansh and Durga were reared at one place in the name of Jyoti Devi and Hiralal Mondal. Hiralal Mondal and Jyoti Devi are husband and wife in relation.
2. Mother Unit was closed since 2016 and no records were available at Mother Unit and Mother Unit owner told that all related documents are in the custody of Ms. Pooja (PRP of Mother Unit).
3. Regular meeting of Ansh VO was not happening since March 2017. All records of VO including Cheque Book are in possession of Ms. Pushpa (CM of concern VO).
4. Ms. Puspa, CM and Ms. Pooja, PRP of Mother Unit are sister in relation.
5. Role of CM and PRP was also not acceptable. We were told that the documentary evidence of VO and Mother Unit was hijacked by them. We approached her house twice but she did not handed over the document.

6. In the VO meeting, SHG members said that illegal money was given by LHS to forcely accept poultry birds distribution without getting poultry birds, in front of state review committee.
7. Mr. Ashok Halder, PRP said that 28 days old chicks were distributed among selected beneficiaries in range of 5 - 50 chicks per household depending upon interest of household by moving village to village and returned left out chicks to Mother Units and did not distribute 25 chicks per household as per the Policy of Backyard Poultry.
8. We could not get satisfactory reply from Mother Unit Owner when it was enquired about documentation of return of chicks to mother unit.
9. Mr. Hiralal Mondal and Ms. Jyoti Devi, owner of Mother Units told that 28 days old chicks are distributed as per direction of LHS but no distribution register was maintain at Mother Unit level.
10. According to Mr. Hiralal Mondal, 28 days old poultry birds were send to other places as per the direction of Mr. Ashutosh Kumar, LHS.
11. Although the community was accepting of distribution of DOC but they were not aware of the fact about the no. for which they are entitled to receive and the contribution to be made by them. No training was given to community members before distribution of 28 days old chicks.
12. According to Secretary of Ansh VO, cheques to different suppliers of DOC, poultry feed, medicines and UC of poultry fund were signed as per the instruction of Mr. Sumit Kumar, BPM, Dagarua, Mr. Ashutosh, LHS and Mr. Sanjay Kumar, LHS.
13. Quotations for Poultry feed and Medicines were received from Mantu Poultry feeds and Krishna Poultry Centre and required materials were supplied from Mantu Poultry feeds and Krishna Poultry Centre but contact numbers of both are same (Mob. No. - 8051777265).
14. Mantu Poultry feeds gave two applications of Rs. 167129/- and Rs. 121078/- to Ansh Jeevika VO for the payment against the supply of poultry feed, Medicine and Vaccines without any date.
15. Team tried to contact and visit shop of Mantu Poultry feeds and Jyoti Poultry Feed but no such shop were found in the location as per their address.
16. Dr. Sudhakar Thakur, Manager Livestock, DPCU Purnia never visited in field of concern Village organization during his tenure and showed his dereliction of duties.
17. Mr. Sumit Kumar, BPM Dagarua told that he did not involve in poultry intervention because he was not trained in poultry intervention. According to him poultry intervention was looking after by Mr. Ashutosh Kumar, LHS.
18. Mr. Sumit Kumar is posted in Dagarua as a Block Project Manager since November 2014 and poultry activity was run during this period. It is impossible that a BPM is